dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक
दीन बन्धु

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, शुक्रवार
02.05.2025
वर्ष : 13
अंक : 142
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

राममंदिर के 6 दरवाजों पर 18 किलो सोना मढ़ा जा रहा...

अयोध्या। राम मंदिर के दरवाजों पर फिर सोना लगाए जाने की शुरुआत हो गई है। अब फर्स्ट फ्लोर के 6 दरवाजों पर 18द्यद सोना लगाया जा रहा है। हर दरवाजे पर 3 किलो सोना लगाया जाएगा। मुख्य कलश और राम दरबार के सिंहासन पर भी सोना लगाया जाएगा। इस पर 3 से 4द्यद सोना मढ़ा जाएगा। करीब एक साल पहले राम मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के 14 दरवाजों पर सोना लगाया गया था। हर दरवाजे पर करीब 3 किलो सोना लगा। जून में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, ट्रस्ट 3 दिन तक उत्सव मनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें क्या होगा? इसका शेड्यूल ट्रस्ट ने जारी नहीं किया है। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे।

पहलगाम हमले के आतंकियों को अमित शाह ने दिया संदेश

ये मोदी का भारत है, चुन-चुनकर बदला लिया जाएगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये नरेंद्र मोदी का भारत है, पहलगाम हमले का चुन-चुनकर बदला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने युद्ध जीत लिया है। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हर व्यक्ति को चुन-चुनकर जवाब भी मिलेगा और जवाब भी दिया जाएगा। इस देश से आतंकवाद को उखाड़ फेंकना हमारा संकल्प है और इसे पूरा किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस लड़ाई में न केवल 140 करोड़ भारतीय बल्कि पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है, दुनिया के सभी देश एक साथ आ गए हैं और आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में भारत के लोगों के साथ खड़े हैं। केंदीय गृहमंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा तब तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी और जिन लोगों ने यह कृत्य किया है उनको सजा दी जाएगी। कार्यक्रम के शुरुआत में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वीके सक्सेना और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मौन रखा।

पाकिस्तान से टेंशन के बीच राजनाथ ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से की बात

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के आसार हैं। इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। समझा जाता है कि फोन पर हुई बातचीत के दौरान पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र भी हुआ। सिंह-हेगसेथ के बीच फोन पर हुई बातचीत के कुछ विवरण जल्द ही आधिकारिक रूप से जारी किए जाने की संभावना है। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के 7 अस्थायी सदस्यों से टेलीफोन पर बात की थी।

भारत से तनाव कम करने को ट्रंप के आगे गिड़गिड़ाया पाकिस्तान, बोला-बड़े देश संग लड़ाई नहीं चाहते

पहलगाम हमले के बाद बॉर्डर पर बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने गिड़गिड़ा रहा है। अमेरिका में मौजूद पाकिस्तान के राजदूत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अनुरोध किया है कि वे कश्मीर में हुए घातक हमले के मद्देनजर पड़ोसी भारत के साथ बढ़ते तनाव को कम करने में मदद करें। उन्होंने साफ किया है कि वह अपने से बड़े देश यानी कि भारत के साथ लड़ाई करना नहीं चाहता है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले को पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के मुखौटा आतंकी संगठन टीआरएफ ने अंजाम दिया था। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने न्यूजवीक को बताया कि हमारे पास एक राष्ट्रपति है जो इस प्रशासन के दौरान दुनिया में शांति के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य के रूप में खड़ा है। एक शांतिदूत के रूप में विरासत स्थापित करना - या किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने युद्धों को समाप्त किया।

मुख्यमंत्री यादव ने किया स्कूल, अस्पताल एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां सक्षम : सीएम यादव

सीएम ने हरसूद में वन समितियों एवं जनजातीय सम्मेलन में दीं अनेक सौगातें

खंडवा/भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप जनजातीय भाई-बहनों के समग्र कल्याण के लिए पेसा नियमों को ध्यान में रखते हुए जनजातीय क्षेत्रों के विकास को और अधिक गति दी जा रही है। प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में बसे जनजातीय परिवारों को भी केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं जैसे पक्का मकान, निःशुल्क राशन और आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि हर गरीब और जरूरतमंद के बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार तेंदुपत्ता संग्राहकों को बोनस देकर प्रोत्साहित कर रही है। तेंदूपत्ता के शासकीय मूल्य में 1000 रुपए प्रति मानक बोरा की वृद्धि कर इसे 4000 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अभी 15 हजार वन समितियां हैं। जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां निरापद रूप से सर्वाधिक सक्षम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद में तेंदूपत्ता, वन समितियों और जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हरसूद को नए अस्पताल, स्कूल और सिंचाई परियोजना की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय बुजुर्गों को टार्च और एफएम जैसी आधुनिक तकनीक से लैस छड़ी (स्टिक) का वितरण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पात्रतानुसार हितलाभ के चेक, ई-रिक्शा प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल, अस्पताल जैसे विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर वर्षा जल की बूंद-बूंद सहेजने के उद्देश्य विषय पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास कार्यों की सौगात दी, जिनमें 20 करोड़ की लागत की नया अस्पताल, सांदिपनि आदर्श विद्यालय, 45 करोड़ की लागत से नई सिंचाई परियोजना शामिल है। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित थे।

3,219 नव युगल बंधे परिणय सूत्र में

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री यादव

गढ़ाकोटा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सागर जिले के गढ़ाकोटा में गुरुवार को 23वें वृहद सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। इस समारोह में 3 हजार 219 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे सनातन धर्म में सभी की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। विवाह में सिर्फ वर-वधु का विवाह नहीं बल्कि दो परिवारों और कुटुंबों का मिलन भी होता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उसकी बेटी का, उन्होंने जितने अच्छे से लालन-पालन किया उससे अच्छा लालन-पालन और प्यार उसे ससुराल में मिलेगा। इस विश्वास के साथ ही बेटी के माता-पिता उसे वर को सौंपते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि वर पक्ष के परिवार बहु को बेटी के समान ही प्यार और सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि गढ़ाकोटा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में निकाह के साथ पुनर्विवाह भी हो रहे हैं। कल्याणियों का पुनर्विवाह एक अच्छी पहल है। यह पवित्र कार्य है।

भारत-पाकिस्तान में तनाव गहराया

आईएनएस सूरत पहली बार हजीरा पोर्ट पर हुआ तैनात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। न्यूज एजेंसी ने डिफेंस सोर्स के हवाले से बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ से फोन पर बात की।हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और भारत के आत्मरक्षा के हर एक्शन का समर्थन करता है। इस बीच नेवी का जंगी जहाज INS-सूरत गुरुवार को पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात किया गया है। यहां नेताओं और नेवी अफसरों ने इसका स्वागत किया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, इंडियन नेवी ने अपने सभी वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड को भी अलर्ट पर रखा गया है। उधर, पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर अपने झंडे फिर लगा दिए हैं। एक दिन पहले पाक ने चौकियों से झंडे हटा दिए थे। इस बीच खबर है कि पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी है।

पहलगाम हमले की न्यायिक जांच से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं।

पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ असीम मलिक को एनएसए बनाया

इस्लामाबाद। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगातार कोई न कोई कदम उठा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोड में नए सदस्यों को जोड़ा है और आलोक जोशी को अध्यक्ष बनाया है। इस बीच पाकिस्तान ने भी अपने नए एनएसए की नियुक्ति की है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को देश का नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। मलिक को सितंबर 2024 में आईएसआई का प्रमुख बनाया गया था और अब उन्हें एनएसए का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

मुंबई में WAVE समिट में प्रधानमंत्री मोदी बोले

यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म, जहां युवा एक आइडिया के जरिए क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट को संबोधित करते हुए कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा- WAVES ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है - कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा। भारतीय सिनेमा ने भारत को कोने-कोने तक पहुंचाया प्रधानमंत्री ने कहा- आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है। दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया मोदी बोले- आज WAVES में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है।

शरबत जिहाद केस : हाईकोर्ट बोला-रामदेव किसी के काबू में नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को बाबा रामदेव के नए वीडियो को लेकर तीखी टिप्पणी की। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। बाबा रामदेव ने हमदर्द कंपनी का नाम लिए बिना रूह अफजा को शरबत जिहाद% कहा था। इसके बाद विवाद बढ़ गया था। पिछले आदेश के मद्देनजर उनका हलफनामा (एफिडेविट) और यह वीडियो प्रथमदृष्टया अवमानना के अंतर्गत आते हैं। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें यहां बुला रहे हैं।

बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई कार, 4 युवकों की मौत, एक की हालात गंभीर

गुना ■ ब्यूरो

गुना में एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में शादी समारोह से लौट रहे चार युवकों की मौत हो गई। वहीं 3 युवक घायल हैं। इनमें से एक गंभीर घायल को भोपाल रेफर किया गया है। आशंका है कि कार को पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा बुधवार देर रात 2.30 बजे भदौरा के पास हुआ। शिवपुरी जिले के कोलारस में रिजौदा गांव से बारात गुना के मावन गांव में आई थी। शादी में शामिल होने के बाद कुछ युवक कार से रिजौदा जाने के लिए निकले थे। हादसे में रिजौदा गांव के रहने वाले गोविंद रघुवंशी (28) पुत्र दिनेश रघुवंशी, सोनू (35) पुत्र हरि भगवान रघुवंशी, वीरू (24) पुत्र बृजेश कुशवाह और हितेश (24) पुत्र ब्रजमोहन बैरागी की मौत हो गई। वहीं सुदीप (24) पुत्र सुरेन्द्र रघुवंशी, सुमित (24) पुत्र जसवंत रघुवंशी, रवि (22) पुत्र वीरेंद्र रघुवंशी घायल हैं। सुदीप को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

वक्फ कानून के खिलाफ 'लाइट बंद करो' अभियान

नई दिल्ली। नए वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बुधवार को 'लाइट बंद करो' अभियान के तहत प्रदर्शन किया। AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी समेत देशभर के मुस्लिम नेताओं ने रात 9 बजे से 9:15 बजे तक घर-दुकान और ऑफिस में लाइट ऑफ करके विरोध जताया। AIMPLB ने कहा- वक्फ कानून अन्यायपूर्ण, अलोकतांत्रिक और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ है। यह मुस्लिम समुदाय के अधिकारों और धार्मिक संपत्तियों में सरकार की दखलअंदाजी को बढ़ावा देगा। यह सिर्फ एक समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का मुद्दा है। सरकार जब तक कानून को वापस नहीं लेती, शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा। AIMPLB के वक्फ बचाव अभियान का पहला फेज 11 अप्रैल से शुरू हुआ, जो 7 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे, जो प्रधानमंत्री मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी।

गुजरात में 5 भाई-बहनों समेत 6 की मौत, नदी में नहाते समय सभी डूब

अहमदाबाद. गुजरात में खेड़ा जिले के महमदाबाद में बुधवार शाम को नदी में डूबने से मामा-बुआ के 5 बच्चों समेत 6 की मौत हो गई। देर रात तक चार के शव निकाल लिए गए थे। जबकि, आज सुबह दो अन्य शव निकाले गए। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए और सभी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। कनीज गांव के सरपंच ने बताया कि यहां रहने वाले सोलंकी परिवार के लोग हादसे का शिकार हुए हैं। गर्मी की छुट्टियां होने के चलते रामजीभाई सोलंकी के यहां उनके रिश्तेदार भी आए हुए थे। बुधवार की शाम परिवार के 6 सदस्य मेश्वो नदी में में नहाने गए थे। इसी दौरान गहराई में जाने से 2-3 लोग डूबने लगे। इन्हें बचाने के लिए अन्य लोग कूदे और सभी डूब गए।

राजगढ़ में हुई अनोखी शादी, अस्पताल में बना मंडप

बीमार दुल्हन को गोद में उठाकर लिए फेरे

राजगढ़ ■ ब्यूरो

राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में अक्षय तृतीया के अवसर पर एक अनोखी और भावनात्मक शादी देखने को मिली. शादी से ठीक पहले दुल्हन की तबीयत बिगड़ जाने के बावजूद, परिवार ने शुभ मुहूर्त को व्यर्थ नहीं जाने दिया और अस्पताल को ही विवाह स्थल में बदल दिया. यह विवाह हर किसी के लिए प्रेरणादायक बन गया.दरअसल, ब्यावरा के परमसिटी कॉलोनी निवासी जगदीश सिंह सिकरवार के भांजे आदित्य सिंह की शादी कुंभराज की रहने वाली नंदनी से तय हुई थी. विवाह 1 मई को अक्षय तृतीया के दिन कुंभराज के पास पुरषोत्तमपुरा गांव में होना था. लेकिन शादी से पांच दिन पहले, 24 अप्रैल को नंदनी की अचानक तबीयत बिगड़ गई. उन्हें ब्यावरा के पंजाबी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें ज्यादा आराम करने की सलाह दी. ऐसे में परिवार दोराहे पर खड़ा था. एक ओर दुल्हन की तबीयत और दूसरी ओर शुभ मुहूत.'डॉक्टर जेके पंजाबी ने बताया कि नंदनी ज्यादा देर तक बैठ नहीं सकती थी, इसलिए परिवार ने उससे सलाह लेकर अस्पताल में ही शादी करने का निर्णय लिया.

मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओले गिरे

भोपाल और इंदौर तपे, रतलाम-उज्जैन समेत 5 शहरों में पारा 43 पार

भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश के डिंडौरी में गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे आंधी के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने गुरुवार शाम को डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, सिवनी और बालाघाट में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। मैहर के कई इलाकों में ओले गिरे भी हैं। आकाशीय बिजली चमकने और बारिश की संभावना भी है। इसी तरह मंडला, छिंदवाड़ा, पन्ना, शहडोल, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, रतलाम, उज्जैन और राजगढ़ में भी हल्की गरज के साथ बारिश होने की संभावना बन रही है।

कई शहरों में पारा 43 डिग्री पार

भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई शहरों में गर्मी का असर देखा गया। मई के पहले ही दिन उज्जैन, शाजापुर, रतलाम, गुना और नरसिंहपुर में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया। शाजापुर सबसे गर्म रहा। यहां पारा 43.7 डिग्री सेल्सियस रहा। रतलाम में 43.6 डिग्री, उज्जैन में 43.4, गुना और नरसिंहपुर में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। धार, खरगोन, खंडवा, शिवपुरी, रायसेन, टीकमगढ़, सागर, दमोह, बैतूल, खजुराहो और नर्मदापुरम में पारा 41 डिग्री या इससे अधिक रहा।

4 माह से राशन नहीं लेने वाले हितग्राहियों का नाम पोर्टल से हटेंगे

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

शासन निदेर्शानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन सामग्री प्राप्त करने वाले हितग्राही सदस्यों की शत-प्रतिशत ईकेवायसी अभियान 12 अप्रैल से भोपाल जिले में चलाया जा रहा है, जिसके तहत शासन द्वारा जिले के शेष रहे 228861 सदस्यों की ई-केवायसी का लक्ष्य प्रदान किया गया था, किंतु समय-सीमा में जिले की लक्ष्य अनरूप कार्य नहीं होने के कारण शासन द्वारा अभियान को आगामी 10 दिवस के लिये बढ़ाया गया है,जिसमें शेष रहे 218831 हितग्राहियों की ईकेवायसी पूर्ण की जाना है। बुधवार को जिला पंचायत कार्यालय, भोपाल के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत भोपाल श्रीमती इला तिवारी द्वारा बैठक की अध्यक्षता करते हुये भोपाल शहर के ईकेवायसी अभियान दलों के प्रभारी तथा सदस्यों की प्रगति की वार्डवार समीक्षा की गई तथा ईकेवायसी की कार्यवाही घर-घर जाकर करने के निर्देश देते हुये विधिवद्ध रिकार्ड का संधारण करने के भी निर्देश दिए। जो हितग्राही मृत हैं, विवाह के कारण अन्य स्थान पर जाने वाली महिलायें, स्थाई रूप से पलायन करने वाले हितग्राही तथा विगत 04 माह से राशन नहीं लेने वाले हितग्राहियों का नाम पोर्टल से हटाने की कार्यवाही के निर्देश खाद्य विभाग के अधिकारियों को दिये गये। बैठक में अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भोपाल द्वारा शेष रहे हितग्राहियों से अपील की गई कि हितग्राही स्वयं रूचि लेकर अपनी-अपनी ईकेवायसी अनिवार्य रूप से करवायें, जिससे भविष्य में राशन प्राप्त करने से वंचित होने से बचें। बैठक में जिन उचित मूल्य दुकानों के संचालकों द्वारा ईकेवायसी के कार्य में रूचि नहीं लेकर कम कार्य किया गया है उन दुकान संचालकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। यह भी बताया गया कि जिन बच्चों एवं वृद्धों की ईकेवायसी नहीं हो पा रही है उनकी ईकेवायसी मोबाईल एप लिंक के माध्यम से फेस रिडिंग द्वारा कराये जायें। ईकेवायसी की कार्यवाही का विधिवत रिकार्ड संधारित करने के निर्देश दिये गये। जिन दल प्रभारियों एवं विक्रेताओं द्वारा अपेक्षा अनुरूप ईकेवायसी कार्य में प्रगति नहीं लाई जा रही है उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश देते हुये शेष ईकेवायसी आगामी 01 सप्ताह में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अजीत कुमार कुजूर, नगर निगम के उपायुक्त, खाद्य विभाग भोपाल के सभी सहायक आपूर्ति अधिकारी एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत के दशहरा मैदान विट्ठल मार्केट में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय पाल महासभा के सहयोग से संपन्न इस पावन अवसर पर अनेक जोड़े वैवाहिक जीवन में बंधे।

ब्रीफ न्यूज़

दादाजी धाम मंदिर में शंकराचार्य जी का जन्मोत्सव मनाया जायेगा

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल में इस वर्ष भी आज शुक्रवार को आघ शंकराचार्य जी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 10:00 बजे गर्भग्रह परिक्रमा में स्थापित आघ शंकराचार्य जी का अभिषेक, पूजन अर्चना, आरती, हवन के बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर आप सभी भक्तगण उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। मंदिर के पट भगवान के दर्शन के लिए खुले रहेंगे।

समग्र आईडी बनवाने को लेकर हुए विवाद में पंचायत सचिव को धमकाया

भोपाल। बिलखिरिया पुलिस ने पंचायत सचिव रूपनारायण जाट की शिकायत पर फिरोज, कलदार और शरीफ के खिलाफ धमकी देने, शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। उनके बीच समग्र आईडी बनवाने को लेकर विवाद हो गया था। जानकारी के अनुसार ग्राम जामुनिया कलॉ में रहने वाले रूपनारायण जाट (58) ने पुलिस को बताया की पंचायत सचिव की नौकरी करते हैं। बीतें दिनों वह रोजगार सहायक राजेश मीना के साथ पंचायत कार्यालय में शासकीय कार्य कर रहे थे। उसी दौरान फिरो, कलदार और शरीफ खां वहॉ आये और उन्होंने फिरोज की पत्नी का नाम समग्र आईडी में जोडने की बात कही। रूपनारायण ने उन्हें बताया कि जनवरी 2025 से शासन ने समग्र आईडी में नाम जोडने के लिए विवाह प्रमाण पत्र और आधार कार्ड अनिवार्य किया है। उसकी बात पर तीनों बिना प्रमाण पत्र के ही नाम जोडने का दबाव बनाते हुए बहसबाजी करने लगे। सचिव ने उनसे कहा की नाम जोड़ने का काम ऑनलाइन होता है, और बिना प्रमाण पत्र के नंबर के वह रिजेक्ट हो जायेगा। काफी समझाइश देने पर भी आरोपी उसकी बात मानने को तैयार नहीं हुए और गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगे। इस दौरान काफी समय तक , शासकीय कार्य बंद रहा। बाद में अन्य लोगों ने जैसै-तैसै बीच-बचाव कर उस समय विवाद को शांत कराया। अगले दिन सचिव रूपनारायण ने थाने पहुंचे और तीनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

एम्स भोपाल में गंभीर स्कोलियोसिस का सफल इलाज

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हाल ही में, एम्स भोपाल में एक 14 वर्षीय मरीज की गंभीर स्कोलियोसिस (रीढ़ की हड्डी में अत्यधिक टेढ़ापन) की सफल सर्जरी की गई। यह जटिल ऑपरेशन एम्स भोपाल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक नेविगेशन तकनीक और 3डी सीटी इमेजिंग की मदद से किया गया। सर्जरी के बाद मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी लम्बाई ऑपरेशन से पहले की तुलना में लगभग 2 सेंटीमीटर बढ़ गई है। यह न केवल चिकित्सकीय दृष्टि से बल्कि भावनात्मक और मानसिक रूप से भी मरीज और उसके परिवार के लिए अत्यंत सुकूनदायक उपलब्धि रही। यह सर्जरी डॉ. वी. के. वर्मा एवं उनकी टीम के द्वारा की गई और एनेस्थीसिया से डॉ. शिखा जैन शामिल थीं। इस सर्जरी की सफलता पर प्रो. सिंह ने कहा, यह ऑपरेशन एम्स भोपाल की आधुनिक तकनीकों और हमारी टीम की विशेषज्ञता का प्रमाण है। गंभीर स्कोलियोसिस जैसी जटिल बीमारियों का इलाज अब भोपाल में ही संभव है, जिससे आम नागरिकों को देश के अन्य बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं रह जाती। हमारा उद्देश्य है कि हम मध्य भारत के लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उनके अपने शहर में उपलब्ध कराएं।

भोपाल में अवैध कॉलोनी पर जिला प्रशासन की कार्रवाई जेसीबी से तोड़े बाउंड्रीवॉल-गेट, जमीन की कीमत डेढ़ करोड़

भोपाल। भोपाल के बिशनखेड़ी क्षेत्र में गुरुवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। यहां दो अवैध कॉलोनियों के निर्माण को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। इसमें बाउंड्रीवॉल और गेट शामिल है। जमीन की कीमत डेढ़ करोड़ हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण की पहले जांच की गई। जांच के बाद गुरुवार को पुलिस बल के साथ कार्रवाई की। दोनों ही जमीनों की कुल कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। कॉलोनी की बाउंड्रीवॉल और गेट तोड़े गए। एसडीएम ने आगे बताया कि बिशनखेड़ी में शुभम साहू और नजमा बी की जमीन पर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया गया था। साथ ही, प्लॉट भी बेचे जा रहे थे। इसके अलावा जियाबाई की जमीन पर भी कॉलोनी काटी गई थी।

निजी कंपनियों के इंजीनियरों को पास करनी होगी परीक्षा

जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने की कवायद

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मप्र में जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब प्राइवेट कंपनियों के माध्यम से काम करने वाले इंजीनियरों को परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा। इसको लेकर जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने एमपी ऑनलाइन से परीक्षा कराने का आग्रह किया है। दरसअल प्रदेश भर में जल जीवन मिशन के मॉनिटरिंग का काम निजी कंपनी द्वारा करवाया जा रहा है। इसमें करीब 2000 से ज्यादा इंजीनियर काम करते हैं। इन इंजीनियरों की भर्ती निजी कंपनियां करती हैं और साक्षात्कार जल निगम के अधिकारी लेते हैं। लेकिन लगातार आरोप लगाते हैं कि अनस्किल्ड लोगों की भर्ती की जा रही है। इस तरह की शिकायत से उबरने के लिए एमडी ने नई रणनीति तैयार की है और एमपी ऑनलाइन से परीक्षा करने का निर्णय लिया है।

केवल विभाग से संबंधित ही पूछे जाएंगे सवालः जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा विभाग में पारदर्शिता लाने के लिए की जा रही है। कई जगह से शिकायत आ रही है कि इंजीनियरों की भर्ती में लापरवाही की जा रही है। इसे देखते हुए एमपी ऑनलाइन से हमने आग्रह किया है कि एग्जाम कंडक्ट करें। चौधरी ने बताया कि इस एग्जाम में कोई बाहर के सवाल नहीं पूछे जाएंगे केवल विभाग और जल जीवन मिशन के काम से संबंधित ही सवाल पूछे जाएंगे। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। जिसे काम आता होगा उसे बाहर नहीं किया जाएगा। और पहले से काम करने वाले इंजीनियरों की परीक्षा नहीं ली जाएगी। जो नई भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा। चौधरी ने बताया कि जल निगम कई नए टेंडर कर रहा है, कई हो गए हैं उनमें जिन इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा।

दो हजार इंजीनियरों को नौकरी जाने का डरः जल निगम के एमडी द्वारा एमपी ऑनलाइन को भेजे गए लेटर के बाद प्रदेश भर में एसक्यूसी/टीपीआईए अभियंताओं में नौकरी जाने का डर भर गया है। दरअसल जो लेटर एमडी में एमपी ऑनलाइन को लिखा है उसमें स्पष्ट नहीं है कि परीक्षा किन अभियंताओं की होनी है, जो वर्तमान में काम कर रहे हैं उनकी या नई भर्ती की। एक इंजीनियर ने बातया कि इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि कार्यरत अभियंताओं को ही सेवा के दौरान परीक्षा देने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे यह संदेह होता है कि यह प्रक्रिया मात्र एक औपचारिकता बनाकर कर्मियों को हटाने के उद्देश्य से अपनाई गई है। साथ ही यह स्पष्ट है कि फील्ड का सारा कार्य, गुणवत्ता नियंत्रण, दस्तावेजीकरण, तकनीकी निरीक्षण और समयबद्ध रिपोर्टिंग सबकुछ एसक्यूसी/टीपीआईए द्वारा ही किया जाता है। हम ही जल निगम की योजनाओं की रीढ़ की हड्डी हैं, परंतु आज हम ही सबसे उपेक्षित और असुरक्षित स्थिति में हैं। एमडी को क्या अपने अधिकारियों पर विश्वास नहीं दरअसल जल निगम के आधीन काम करने वाले इंजीनियरों की भर्ती का काम जल निगम के अधिकारी ही करते हैं। जिस कंपनी का टेंडर होता है वह अवश्यकता के अनुसार सीबी लगाती है। और इंटरव्यू का काम जल निगम के अधिकारी करते हैं। ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि क्या एमडी को अपने अधिकारियों पर विश्वास नहीं है। एक इंजीनियर ने कहा कि यदि इन अभियंताओं की परीक्षा अब ली जा रही है, तो पिछले 7-8 वर्षों से ये कर्मचारी जल निगम की योजनाओं में कैसे कार्यरत थे? जबकि प्रारंभ में इनका चयन साक्षात्कार के माध्यम से जल निगम द्वारा ही किया गया था और कार्य करने की अनुमति अप्रूवल भी जल निगम द्वारा ही प्रदान की गई थी। तो क्या उस समय की प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण मानी जा रही है, और क्या अब इतने वर्षों बाद उसी पर प्रश्नचिह्न लगाना न्यायसंगत है।

भोपाल में अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कार में छिपा रखी थी 12 लाख रुपए की शराब, खपाने से पहले पकड़े गए

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम ने गोविंदपुरा इलाके में घेराबंदी कर अवैध शराब के तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार की सीट के नीचे 12 लाख रुपए की अवैध शराब रखे हुए थे। मुखबिर की सूचना पर पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक गोविंदपुरा के पास ळफ्ळ कॉलोनी रोड के बगल में खाली मैदान के पास एक सफेद रंग की हुंडई वेन्यू कार खड़ी है, ऐसी सूचना मुखबिर से मिली। सूचना के बाद घेराबंदी कर कार नं. बार MP04YA8624 को पकड़ा। जिसमे दो लड़के बैठे थे। ड्राइवर सीट पर बैठे लड़के ने अपना नाम विनोद पिता मांगीलाल राय निवासी मीनाल रेसीडेंसी और दूसरे लड़के ने अपना नाम वैभव पाटिल पिता संजय पाटिल निवासी म.न. 114 प्रियंका पब्लिक स्कूल के पास कैलाश नगर सेमरा थाना अशोका गार्डन भोपाल का बताया। पिछली सीट के नीचे भर रखी थी शराब की पेटियां पीछे की सीट के नीचे और गाड़ी की डिग्गी में पेटियां रखी दिखीं। जिसके संबंध में पूछने पर विनोद ने पेटियों में अंग्रेजी और देसी शराब होना बताया। कार के संबंध में पूछताछ करने पर पीछे बैठे लड़के वैभव पाटिल ने स्वयं के द्वारा किराये पर लाना बताया। गाड़ी में रखी 18 पेटियों में अंग्रेजी और देसी शराब की बोतलें मिली। जिनकी की कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई गई। दोनों आरोपी पूर्व में भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुके हैं।

सोना गिरवी रखने का झांसा देकर धोखाधड़ी

एडवांस चेक लेकर आरोपी फरार, भोपाल में प्राइवेट कंपनी का मामला

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल के एक प्राइवेट कंपनी से एडवांस चेक लेकर आरोपी फरार। भोपाल के शाहपुरा थाना क्षेत्र की पुलिस ने एक प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी की रिपोर्ट पर एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने कंपनी में सोना गिरवी रखने का झांसा देकर एडवांस में चेक ले लिया और कैश निकालकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए टीम तैनात कर दी है। पुलिस के मुताबिक, फरियादी बसंत देशपांडे रोहित नगर, शाहपुरा के एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। उनकी कंपनी सोना गिरवी रखकर लोन देने का काम करती है। राकेश नामक एक व्यक्ति का कंपनी में आना-जाना था। वह पूर्व में वहां सोना गिरवी रखकर लोन ले चुका है।

एडवांस चेक लेकर आरोपी फरारः लगभग चार महीने पहले राकेश कंपनी के कार्यालय आया और बताया कि उसने कुछ सोना टीटी नगर के एक अन्य कंपनी में गिरवी रखा है। उसका कहना था कि यदि आपकी कंपनी ज्यादा लाभ दे तो वह उस कंपनी से अपना सोना निकालकर इस कंपनी में गिरवी रख सकता है। कंपनी के कर्मचारियों ने उसका प्रस्ताव मुख्यालय भेजा, जिसे स्वीकृति मिल गई। इसके बाद राकेश ने कंपनी से एडवांस में चेक लिया और फिर मोबाइल बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी राकेश के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

इस हफ्ते आएगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

सीएम ने दिए समय पर रिजल्ट के निर्देश

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों का छात्र बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि अब यह इंतजार जल्द ही पूरा होने वाला है। मई के पहले सप्ताह में रिजल्ट जारी होने वाला है। इस बात का निर्देश खुद राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को दिए हैं। मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। बता दें कि इस बार मूल्यांकन केंद्र मालव कन्या उमावि में 10वीं और 12वीं की कुल 3 लाख 4 हजार 511 कॉपियां जांच के लिए अन्य जिलों से आई थीं। 13 मार्च 2025 से परीक्षा मूल्यांकन का कार्य शुरू हुआ था। इस बार मूल्यांकन कार्य 25 अप्रैल तक पूरा होना था, जिसको चार दिन पहले ही पूरा कर लिया। राज्य शिक्षा केंद्र ने निर्देश जारी किए कि अगर संशोधित प्राप्तांकों की एंट्री पोर्टल पर अपलोड नहीं की तो मूल्यांकन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम पूराः अधिकारियों ने बताया कि उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम पूरा हो गया है। सभी जिलों में समन्वयक केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभाग के अधिकारियों को परीक्षा परिणाम मई के पहले सप्ताह में जारी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं निर्देश के अनुसार 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद तीन अप्रैल से परीक्षा पोर्टल पर पुनर्गणना की सुविधा लाइव की जा चुकी है। पुनर्गणना के लिए विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों के पुनर्गणना के आवेदन पोर्टल पर पंजीकृत किए जा रहे हैं। विद्यालयों से कहा गया है कि पोर्टल पर लाग इन कर पुनर्गणना विंडो को ओपन कर 5वीं और 8वीं का चयन किया जा सकता है।

मुस्लिम युवाओ ने पाकिस्तान का झंडा पैरों से रौंदा- पहलगाम हमले का विरोध

कहा हमें भी सेना की तरह फ्री-हैंड दें

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भोपाल में मुस्लिम समुदाय द्वारा आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा हैं। एक बार फिर मुस्लिम समाज के युवाओ के साथ ही महिलाओ ने भी एक बार फिर प्रदर्शन कर अपना गुस्से का इजहार किया। कलेक्टर कार्यालय पहुंचे प्रदर्शनकारियो ने ज्ञापन सौंपते हुए बॉर्डर पर जाकर भारतीय सेना के साथ काम करने की अनुमति मांगी। जानकारी के मुताबिक वार्ड 41 के पार्षद मोहम्मद रेहान के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस दौरान गुस्साये लोगों ने भारत माता की जय और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाते हुए पाकिस्तान का झंडा फाड़कर उसे पैरों तले रौंदा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आतंकवाद की इस कायराना हरकत के लिये देश का मुस्लिम समाज भी दुश्मनों को करारा जवाब देगा। पार्षद मोहम्मद रेहान ने कहा कि हम कलेक्टर महोदय से मांग करने आए हैं, कि भारत सरकार जिस प्रकार सेना को फ्री हैंड देती है, उसी प्रकार भोपाल के मुस्लिम युवाओं को भी मौका दिया जाए। हमें बॉर्डर पर भेजा जाए। इस संबंध में जिला कलेक्टर को समाज के लोगों के नाम और मोबाइल नंबरों की सूची भी सौंपी गई। हम अपने खून की एक-एक बूंद देश पर न्योछावर करने को तैयार हैं।

बिहार के युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखी अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

कमला नगर थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिली है, जिसमें अपनी मर्जी से खुदकुशी की बात लिखी है। मर्ग कायम कर पुलिस आगे की जॉच कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार मूल रुप से बिहार का रहने वाला अनिस राज (25) पिता अजय भोपाल में पढ़ाई पूरी करने के बाद नेहरू नगर चौराहा स्थित कम्फर्ट प्लाजा में किराए से रहते हुए प्रायवेट नौकरी कर रहा था। बीती शाम जब कई बार फोन करने पर भी उसने फोन रिसीव नहीं किये तब उसके दोस्त उसे देखने के लिये पहुंचे। कमरे का दरवाजा भीतर से बंद होने पर जैसै-तैसे बालकनी से भीतर झांककर देखने पर उन्हें अनिस का शरीर फांसी के फंदे पर लटका दिखाई दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पीएम के लिए मचुर्री में रखवाते हुए हादसे की जानकारी परिजनो को दे दी। घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपने मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। हादसे की खबर मिलने पर परिजन बिहार से भोपाल के लिए रवाना हो गए हैं, उनके आने के बाद ही शव का पीएम कराया जाएगा। पुलिस का कहना है की सुसाइड नोट से आत्हत्या का कारण साफ नहीं हो सका है,आगे की जॉच में मृतक के मोबाइल की जॉच के साथ ही उसके करीबी दोस्तो और परिवार वालो के बयान दर्ज किये जायेगें। जॉच पूरी होने के बाद ही खुदकुशी का कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही तय की जायेगी।

पीजी में एक साथ दो डिग्री ले सकेंगे छात्र

विद्यार्थियों के पास कोई भी विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सत्र 2025-26 से स्नातकोत्तर(पीजी) में विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री ले सकेंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। यूजीसी द्वारा पीजी पाठ्यक्रम के लिए जारी करिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क के आधार पर यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके तहत अब विद्यार्थियों को अपनी पसंदीदा डिग्री चुनने में विषय आदि संबंधी कोई रुकावट नहीं होगी। उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी एमए कर रहा है तो उसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से एमकाम या एमएएससी की डिग्री ले सकता है। अगर दोनों डिग्री की परीक्षाएं एक साथ होंगी तो उसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय की नहीं होगी। अगर विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री करेंगे तो उनके समय की बचत होगी। वे एक साथ दो डिग्री एक साल में पूरी कर सकेंगे। इससे उनके पास आगे करियर में ज्यादा विकल्प उपलब्ध होंगे। विद्यार्थियों को विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मल्टीडिसिप्लिनरी (बहुविषयक) को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब यूजी या पीजी के विद्यार्थियों के पास कोई भी विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी। विद्यार्थियों को यह बाध्यता नहीं होगी कि उन्होंने 12वीं में जो विषय लिया है,उसी में पढना है। विद्यार्थी किसी भी विषय को लेकर आगे पढ़ाई कर सकते हैं।

कई विकल्प भी होंगे

विद्यार्थियों को डिग्री में किसी एक विषय में कुल क्रेडिट का 50 प्रतिशत हासिल करना होगा। बाकी क्रेडिट स्किल कोर्स, इंटर्नशिप और अन्य विषयों से लिए जा सकते हैं। पीजी पाठ्यक्रम के लिए दो या एक साल का समय होगा। इस सुविधा का लाभ उठाकर विद्यार्थी कम समय में डिग्री पूरी करेंगे। पहले या दूसरे सेमेस्टर के परिणाम के आधार पर विकल्प चुन सकते हैं।

ये तीन विकल्प होंगे कोर्स वर्क

इस विकल्प में विद्यार्थी केवल निर्धारित पाठ्यक्रम (थ्योरी पेपर, प्रैक्टिकल, असाइनमेंट आदि) को पढ़ते हैं और पूरा करते हैं। यह उनके लिए उपयुक्त है जो अकादमिक ज्ञान लेना चाहते हैं, लेकिन शोध के क्षेत्र में नहीं जाना चाहते। कोर्स वर्क व रिसर्च वर्क (डिसर्टेशन/प्रोजेक्ट)- इसमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम के साथ-साथ एक रिसर्च प्रोजेक्ट, थीसिस या डिजरटेशन भी करते हैं। यह उन विद्यार्थियों के लिए है जो आगे पीएचडी, रिसर्च या अकादमिक क्षेत्र में जाना चाहते हैं।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए दिए निर्देश

साफ-सफाई संतोषजनक न होने पर दरोगा का वेतन काटने और हटाने के निर्देश

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और स?कों, सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई के बाद कचरे की ढेरियों को तत्काल उठवाने और कहीं भी कचरे की ढेरियां न लगने देने तथा सार्वजनिक, सामुदायिक व स्कूलों के शौचालयों में स्वच्छता एवं बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने, लिटरबिन एवं आसपास बेहतर साफ-सफाई बनाये रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने नाला-नालियों की सफाई निरंतर बनाये रखने, साफ-सफाई कार्य में निकले कचरे, गंदगी आदि को त्वरित गति से उठवाने, बिना अनुमति के लगाये गये बैनर, पंपलेट, फ्लैक्स, कटआउट आदि को भी हटवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने वार्ड क्र. 06 एवं हलालपुर बस स्टैण्ड में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक न होने पर दरोगा (विनियमित) श्री जितेन्द्र गौहर का 15 दिवस का वेतन काटने और तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने गुरूवार को लिंक रोड नंबर 01 एवं 02, रोशनपुरा, कमलापार्क, रेतघाट, मोती मस्जिद, हमीदिया अस्पताल, रॉयल मार्केट, जीएडी चौराहा, कलेक्ट्रेट, लालघाटी, हलालपुर, बैराग?, भोपाल-इंदौर मार्ग, भौंरी, व्हीआईपी रोड, पॉलीटेक्निक,

भारतमाता चौराहा, माता मंदिर, चार इमली आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और समक्ष में एवं वी.सी. के माध्यम से सभी सार्वजनिक, सामुदायिक एवं स्कूलों के शौचालयों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने और निरंतरता के साथ स्वच्छता एवं बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने, सीवेज ट्रीटमेंट प्लाटों के पहुंच मार्गों को व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने स?कों एवं सार्वजनिक स्थलों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने, साफ-सफाई के दौरान निकले कचरे को तत्काल उठवाने के निर्देश दिए साथ ही हिदायत भी दी कि कहीं भी कचरे की ढेरियां नजर नहीं आना चाहिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने लिटरबिन एवं उनके आसपास बेहतर साफ-सफाई बनाये रखने और लिटरबिन्स को सदैव साफ स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निरीक्षण के दौरान जोन क्र. 20 के अंतर्गत वार्ड क्र. 06 एवं हलालपुर बस स्टैण्ड में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक न पाये जाने पर वार्ड दरोगा (विनियमित) श्री जितेन्द्र गौहर का 15 दिवस का वेतन काटने और तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री नारायन ने नाला-नालियों को साफ सुथरा बनाये रखने के दृष्टिगत निर्देशित किया कि नाला-नालियों को कचरा गंदगी निरंतर साफ कराई जाए और कचरा, मलमा आदि भी तत्काल उठवाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने दीवारों, खंबों आदि पर सम्पत्ति विरूपण करने हेतु लगाई गई प्रचार सामग्री, बैनर, पोस्टर, पम्पलेट, फ्लैक्स आदि तत्काल हटवाने और निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि कहीं भी बिना अनुमति के प्रचार सामग्री लगी पायी जाये तो उसे तत्काल हटवाने की व्यवस्था करें।

निगम के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाये अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तो?ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए लिली टॉकीज जहांगीराबाद क्षेत्र में नाले पर अवैध स्लेब, शेड आदि को तोड़ने के साथ ही अन्य क्षेत्रों में दुकानों के बाहर रखा सामान, नाली के ऊपर अवैध रूप से रखी फर्शियां, अवैध रूप से खड़े किये चार पहिया वाहन, झुग्गी, लोहे का जीना आदि सहित अन्य अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की और ठेले, कुर्सियां, गुमठी, पन्नी, लोहे के एंगल, चादर आदि जप्त किये।

वीएचपी, बजरंग दल ने लगाये नाम पूछने की आदत डालने के पोस्टर

भोपाल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश भर के साथ ही राजधानी भोपाल में भी लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने भेल क्षेत्र के रत्नागिरी चौराहे पर एक पोस्टर लगा कर अपना विरोध दर्ज कराया है। इस पोस्टर के माध्यम से कहा गया कि धर्म पूछकर आतंकवादियों ने 28 पर्यटकों को मारा। अब हमें भी धर्म पूछना पड़ेगा। आदत डालिए नाम पूछने की। अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए नाम पूछना पड़ेगा। इस पोस्टर पर कांग्रेस की प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने कहा कि जिस तरह शहर में पोस्टर लगाए गए, वो कुछ लोगों की दूषित मानसिकता को दर्शाते हैं। यह पोस्टर लगाने की जगह अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें। सभी को एकजुटता से आतंकवाद के खिलाफ लड़ना है।

देहात थाना गुनगा में लव जिहाद का मामला सामने आया,पुलिस ने किया मामला दर्ज

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र में लव जिहाद का मामला दर्ज हुआ है। वन स्टाप सेंटर (सखी) द्वारा 17 साल 6 माह की नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर दोस्ती और उसके बाद दबाव डालकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। नाबालिक ने शिकायत करते हुए बताया कि पास में ही रहने वाले साहिल खान पिता मतीन खान जो कि साथ में ही खेतों में काम करने जाता था, जिसके दौरान बातचीत होने लगी थी, जिसका फायदा उठाकर दोस्ती और फिर रेप कर शादी का दबाव बनाने लगा। गुनगा थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा द्वारा प्रकरण दर्ज कर आरोपी साहिल खान को विभिन्न धाराओं के साथ पास्को एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रकरण में विश्व हिन्दु परिषद के जिला मंत्री जितेंद्र मीणा एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग प्रदान कर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने घायल पुलिसकर्मी के स्वास्थ्य की जानकारी ली

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा स्थित निजी चिकित्सालय पहुंचकर उपचाररत पुलिसकर्मी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से घायल पुलिसकर्मी के उपचार के संबंध में पूछताछ की तथा समुचित उपचार के निर्देश दिए। इस दौरान आईजी श्री गौरव राजपूत तथा पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सतना जिले के जैतवारा थाना में पदस्थ पुलिसकर्मी को गत दिनों गोली मारकर घायल कर दिया गया था।

भोपाल में एक एकड़ में बनेगी गौशाला:100 से ज्यादा गायों की होगी देखभाल,

भोपाल। भोपाल के ग्राम सकल में गुरुवार को एक एकड़ जमीन पर बनने वाली गौशाला का भूमि पूजन किया गया। इस गौशाला में 100 से ज्यादा गायों की सेवा की जाएगी। उनके लिए उचित देखभाल, पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।इस गौशाला का उद्देश्य केवल गोसेवा नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी एक अहम पहल मानी जा रही है।

एकजुट होकर समाज के लिए कार्य करें-मानस खानः वहीं, इस मौके पर मध्यप्रदेश भाजपा आम रेसलिंग संघ के अध्यक्ष मानस खान ने कहा कि आज के दौर में हमें एकजुट होकर समाज के लिए कार्य करना चाहिए। इस गौशाला का भूमि पूजन केवल एक धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारी एकता और भाईचारे का प्रतीक है। हमें ऐसे आयोजन करने चाहिए, जिससे समाज में सेवा और प्रेम की भावना बनी रहे। मानस खान ने आगे कहा कि वे हमेशा प्रयास करेंगे कि ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करें और देश को तरक्की की दिशा में आगे ले जाएं। साथ ही, कहा कि हम धर्म और जाति से ऊपर उठकर समाज सेवा और विकास के बारे में सोचे।

कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में, खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है। बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है। इन पांच जिले में मई माह में अध्यक्ष की नियुक्ति करने की तैयारी है। पांच ही जिलों के लिए तीन-तीन नाम की पैनल बना ली गई है। संगठन से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बाकी जिलों की घोषणा जून के बाद होगी। फिलहाल पार्टी का फोकस 40 दिनी अभियान पर है, जिसके तहत मप्र की प्रत्येक विधानसभा में घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

जिलाध्यक्षों का बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदाबाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे। ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है। अप्रेल अंत या मई की शुरुआत में परिवर्तन हो सकता है। इसी तरह कांग्रेस अब राज्य सरकार पर और आक्रामक होगी। इसके लिए कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली से नियुक्त होंगे ऑब्जर्वर

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। मप्र के सभी 55 जिलों में एआईसीसी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है। एमपी कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। हर जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी। गुजरात में पूरी प्रक्रिया 45 दिनों में पूरी हो जाएगी। मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के संगठन में एक बड़ा परिवर्तन आया है। नई व्यवस्था में पार्टी जिला अध्यक्षों के माध्यम से काम करना शुरू करेगी। गुजरात में इसका पायलेट प्रोजेक्ट चल रहा है। बहुत सारे ऑब्जर्वर वहां गए हैं। जिला अध्यक्षों के चयन की एक नई प्रक्रिया सामने आई है। यह प्रक्रिया गुजरात के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि मप्र में भी इसी प्रक्रिया से अध्यक्ष चुने जाएंगे या नहीं।

मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के प्रथम स्थापना समारोह में प्रकट किए

जीवन के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है विना शिक्षा के हमारा जीवन अधूरा है: मुनि श्री

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

जीवन के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है विना शिक्षा के हमारा जीवन अधूरा है उपरोक्त उदगार संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि प्रमाणसागर महाराज ने विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के प्रथम स्थापना समारोह में अक्षय तृतीया के दिवस भोपाल में प्रकट किये। उन्होंने कहा किगुणायतन ने अभी तक जो भी कार्य अपने हाथ में लिया है उसे पूर्ण निष्ठा के साथ पूर्ण किया है। मुनि श्री ने आचार्य गुरूदेव को स्मरण करते हुये कहा कि आचार्य गुरूदेव चाहते थे, कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में शिक्षा की जो अवधारणा सर्वांगीण शिक्षा की होती थी, वह पूर्ण हो। उपरोक्त संदर्भ में मेरी चर्चा उनसे नेमावर में हुई थी, उन्होंने आशीर्वाद देते हुये कहा था कि वर्तमान समय की शिक्षा व्यवस्था मात्र वौद्धिक विकास की ओर है, में मानता हुं कि वौद्धिक विकास जीवन के लिये बहुत जरुरी है, लेकिन बौद्धिक विकास के साथ - साथ नैतिक चारित्रिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास भी जरुरी है। मुनि श्री ने कहा कि आज जो भी कार्य हो रहा है, वह पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद का ही प्रतिफल है। पूज्य गुरुदेव की यह भावना आचार्य गुरुदेव विद्यासागर शोध संस्थान में आकर विद्याप्रमाण गुरुकुलम् के रूप में पूर्ण हुई। मुनिश्री ने कहा कि यह केवल एक

संस्थान ही नही, वल्कि यंहा पर जो भी छात्र अध्यन करेंगे वह सभी छात्र मुखर, प्रखर, प्रज्ञावान बनकर देश के प्रति देश समाज और धर्म के आईकॉन बनेंगे तथा राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देंगे। मुनि श्री ने कहा कि गुणायतन द्वारा दी जा रही स्कालरशिप के माध्यम से विद्या प्रमाण गुरुकुलम् में जिन बच्चों का सिलेक्शन हो गया है, उसकी समस्त शिक्षा का भार आगे से गुणायतन उठाऐगा। उनको ऐसी शिक्षा दी जाऐगी, कि जो बच्चे यंहा से शिक्षा प्राप्त करके जाऐंगे, वही बच्चे इस संस्थान को भी आगे बड़ाऐंगे। मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान में बच्चे पड़ाई पूरी करके ऊंचा स्थान तो पा जाते है, लेकिन उनके अंदर से संस्कार का अभाव रहने से वह सिर्फ अपने तक सीमित रहते है। मुनि श्री ने आशीर्वाद देते हुये कहा कि अक्षय तृतीया के दिन गुणायतन, विद्यासागर शिक्षण संस्थान तथा सेज इंटरनेशनल के माध्यम से जो उत्कृष्ट कार्य पूर्ण हुआ है।

लोग आलोचनाओं को करते हुये गुणायतन के संदर्भ में धुआं उड़ाते हैं

उन्होंने कहा कि कुछ लोग आलोचनाओं को करते हुये गुणायतन के संदर्भ में धुआं उड़ाते है। उन सभी को भी में आशीर्वाद देता हुं और कहता हूं कि आप लोग धुआं उड़ाइये में उसमें खुशबू मिलाता हूं, अच्छे कार्य की हमेशा सुगंध ही फैलती है। मुनि श्री ने कहा कि भोपाल मेरा कर्मक्षेत्र रहा है और श्री सम्मैदशिखर जी के पश्चात भोपाल हमारा दूसरा केंद्र बनेगा। मुनि श्री ने कहा कि लगभग 1500 बच्चों का इंटरव्यू हुआ था और उसमें 180 बच्चों को सिलेक्ट किया गया था । उसमें से 150 बच्चे अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित हुये है। वह सभी बच्चे सौभाग्यशाली है। इन बच्चों में आज शिक्षा के संस्कार दिये गये है। उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि छोटी-छोटी बातों की ओर ध्यान न देकर सभी अभिभावकों को अपनी धर्म परंपरा और संस्कृति के लिये आगे आना होगा, तभी हम पूज्य गुरुदेव की भावनाओं को पूर्ण कर पाऐंगे।

सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल। भोपाल मंडल में हाल ही में रेल सेवा से निवृत्त हुए 22 रेल कर्मचारियों को मंडल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, उन्हें गोल्ड मैडल, पेंशन भुगतान आदेश (आई-पास पोर्टल से), मानार्थ पास, परिचय पत्र एवं उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर जनसंपर्क अनुभाग, भोपाल मंडल में कार्यरत श्री इसराइल मोहम्मद (रफीक) को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने 35 वर्षों से अधिक की अपनी सेवा के दौरान रेलवे की छवि निर्माण और मीडिया समन्वय में सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। भोपाल मंडल अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखता है और उनके जीवन के नए चरण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

संपादकीय

गर्मियों में एयर कंडीशन का इस्तेमाल से बचें

आज कल लोग गर्मियों में एयर कंडीशन का इस्तेमाल करते हैं लेकिन ऐ आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है खुली और बंद हवा वाले रेफ्रिजरेशन सिस्टम के बीच मुख्य अंतर यह है कि रेफ्रिजरेंट (हवा) बंद लूप के भीतर घूमता है या पर्यावरण में छोड़ा जाता है। खुली प्रणालियों में, ठंडी हवा सीधे ठंडा होने वाले स्थान में प्रवेश करती है और फिर उसे पुनः संपीड़न के लिए वापस ले जाया जाता है। बंद प्रणालियों में, हवा को बंद लूप के भीतर प्रसारित किया जाता है, और एक अलग हीट एक्सचेंजर का उपयोग दूसरे तरल पदार्थ (जैसे नमकीन पानी) को ठंडा करने के लिए किया जाता है, जो फिर स्थान को ठंडा करता है।जो आपके सेहत के लिए हानिकारक है चेस्ट या गले का इन्फेक्शन होने का खतरा है क्योंकि इस प्रकिया में ऑक्सीजन को चिल्ड किया जाता वातावरण में पाए जाने वाले ऑक्सीजन शुद्ध होता है उसमें मोईस्टर नहीं होता है स्प्लिट एसी यूनिट मुख्य रूप से शुष्क हवा, खराब वायु गुणवत्ता और अपर्याप्त रखरखाव के कारण गले की समस्याएँ पैदा कर सकती हैं। एसी की कूलिंग प्रक्रिया हवा से नमी को हटा देती है, जिससे सूखापन होता है जो गले और ना के मार्ग में जलन पैदा कर सकता है। इसके अतिरिक्त, गंदे एयर फि ल्टर धूल, एलर्जी और अन्य परेशानियों को फिर से प्रसारित कर सकते हैं, जिससे गले की परेशानी और बढ़ जाती है। . एयर कंडीशनर प्राकृतिक रूप से हवा को ठंडा करते समय नमी को हटाते हैं। इससे ना के मार्ग और गले सूख सकते हैं, खासकर संवेदनशील श्वसन प्रणाली वाले व्यक्तियों के लिए। सूखापन गाढ़े बलगम के निर्माण में सहायक होता है, जिससे शरीर के लिए कीटाणुओं को साफ करना मुश्किल हो जाता है। रात में ठंडा तापमान हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को धीमा कर सकता है। यह आपको सामान्य सर्दी या सूखी खांसी जैसी स्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना सकता है। एयर कंडीशनिंग हमारे श्वसन तंत्र पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है, खासकर उन व्यक्तियों के लिए जिन्हें श्वसन संबंधी कोई अंतर्निहित समस्या है। ठंडी और शुष्क हवा वायुमार्ग को परेशान कर सकती है, जिससे खांसी, छींकने और गले में तकलीफ जैसे लक्षण हो सकते हैं। एयर कंडीशनिंग के लंबे समय तक संपर्क में रहने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से श्वसन संबंधी समस्याएं, शुष्क त्वचा और आंखें, सिरदर्द, थकान और संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त, अनुचित एसी रखरखाव फफूंद और बैक्टीरिया के विकास में योगदान कर सकता है, जिससे एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। एसी श्वसन पथ को शुष्क कर सकता है, जिससे एलर्जी और जलन पैदा करने वाले तत्वों के लिए सूजन पैदा करना और खांसी, घरघराहट और सांस की तकलीफ जैसे लक्षण पैदा करना आसान हो जाता है। शुष्क त्वचा और आंखेंः एयर-कंडीशन वाले वातावरण में कम नमी त्वचा और आंखों में जलन पैदा कर सकती है, जिससे सूखापन, खुजली और बेचैनी हो सकती है। सिरदर्द और थकानः गर्म बाहरी तापमान से ठंडे इनडोर वातावरण में अचानक बदलाव शरीर को तनाव दे सकता है, जिससे संभावित रूप से सिरदर्द और थकान हो सकती है। निर्जलीकरणःएसी हवा और शरीर से नमी को हटा सकता है, जिससे निर्जलीकरण हो सकता है, जो शुष्क मुँह, प्यास और मूत्र उत्पादन में कमी के रूप में प्रकट हो सकता है। संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि होती है अनुचित तरीके से बनाए गए एसी सिस्टम में बैक्टीरिया और वायरस हो सकते हैं, जो हवा के माध्यम से फैल सकते हैं और बीमारी का खतरा बढ़ा सकते हैं, खासकर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में। खराब वेंटिलेशन और एयर-कंडीशन वाले स्थानों वाली इमारतों में, व्यक्तियों को सिरदर्द, सूखी खांसी, चक्कर आना और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसे लक्षण हो सकते हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से सिक बिल्डिंग सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है। ठंडी हवा मौजूदा स्थितियों वाले व्यक्तियों में मांसपेशियों और हड्डियों के दर्द को बढ़ा सकती है अतः रात में सोने के समय ए सी का प्रयोग बिलकुल ना करें इससे आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है यदि जरुरी हो तो पंखे का प्रयोग करें।

सुप्रसिद्धः क्रान्तिकारी प्रफुल्ल चाकी का बलिदान

पुलिस से घिरा हुआ देख खुद को गोली मारी

रमेश शर्मा

सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी प्रफुल्ल चाकी का जन्म 10 दिसंबर, 1888 को हुआ था। जब वे दो वर्ष के थे तभी उनके पिता का निधन हो गया। माता ने बड़ी कठिनाई से प्रफुल्ल का पालन पोषण किया। विद्यार्थी जीवन में प्रफुल्ल का स्वामी महेश्वरानंद द्वारा स्थापित गुप्त क्रांतिकारी संगठन से परिचय हुआ। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के साहित्य का और क्रांतिकारियों के विचारों का अध्ययन किया। इसी बीच साम्प्रदायिक आधार पर अंग्रेज सरकार ने बंगाल के विभाजन का निर्णय लिया हुआ जिसका पूरे देश में विरोध हुआ। तब प्रफुल्ल कक्षा 9 के विद्यार्थी थे। उन्होंने आंदोलन में भाग लिया। इसलिए विद्यालय से निकाल दिए गए। इस घटना ने क्रांतिकारियों की 'युगांतर' पार्टी से उनका संपर्क घेरा हो गया। उन दिनों कोलकाता का चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड हुआ करते थे। वे राजनीतिक कार्यकत्ताओं को अपमानित और दंडित करने के लिए बहुत जाने जाते थे। क्रांतिकारियों ने उसे मारने की योजना बनाई और यह काम प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस को सौंपा। संभवतः इसकी सूचना सरकार को थी इसलिये किंग्सफोर्ड को सेशन जज बनाकर मुजफ्फरपुर भेज दिया था। पर दोनों क्रांतिकारी भी उसके पीछे-पीछे मुजफ्फरपुर भी पहुँच गए। किंग्सफोर्ड की दिनचर्या का अध्ययन करने के बाद 30 अप्रैल 1908 को उसे मारने की योजना बनी। योजना थी कि जब वह यूरोपियन क्लब से बाहर निकल कर बग्गी में बैठे तब हमला बोला जाये। संभवतः किंग्सफोर्ड को इसका भी संकेत मिल गया होगा। उसने लौटते समय बग्गी बदल ली। बम फेंका गया। किन्तु उसकी बग्गी में दो यूरोपियन महिलाएँ बैठी थीं जो कि पिंग्ले कैनेडी नामक एडवोकेट की पत्नी और बेटी थी, वे मारी गईं। क्रांतिकारी किंग्सफोर्ड को मारने में सफलता समझ कर वे घटना स्थल से भाग निकले। प्रफुल्ल ने समस्तीपुर में अपने एक परिचित यहाँ पहुँच कर कपड़े बदले और टिकट खरीद कर ट्रेन में बैठ गए। दुर्भाग्यवश उसी डिब्बे में पुलिस सब इंस्पेक्टर नंदलाल बनर्जी बैठा था। वह प्रफुल्ल चाकी को पहचानता था। बम कांड की सूचना चारों ओर फैल चुकी थी। इंस्पेक्टर को प्रफुल्ल पर कुछ संदेह हुआ। उसने चुपचाप अगले स्टेशन पर सूचना भेजकर चाकी को गिरफ्तार करने का प्रबंध कर लिया। पर स्टेशन आते ही ज्यों ही प्रफुल्ल को गिरफ्तार करना चाहा वे बच निकलने के लिए दौड़ पड़े। पर जब देखा कि वे चारों ओर से घिर गए हैं तो उन्होंने अपनी रिवाल्वर से अपने ऊपर स्वयं को फायर करके मोकामा के पास प्राणाहुति दे दी। यह घटना 1 ,मई 1908 की है। यह अंग्रेजों की क्रूरता की पराकाष्ठा है कि सिपाही ने मृत देह शीश काटा और अगले दिन अदालत में कहा हुआ सिर प्रस्तुत किया।

कहोल ऋषि के नाम पर पड़ा है कहलगांव का नाम

शिव शंकर सिंह पारिजात

इतिहास-संस्कृति एवं धर्म-दर्शन व अध्यात्म की भूमि रहे अंगक्षेत्र में अनेकों दार्शनिक, चिंतक, मनीषी तथा लेखक हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रज्ञा के बल पर ऊंचे मुकाम हासिल किये। ऐसे मनीषियों में हाथियों के उपचार पर विश्व का पहला ग्रंथ हस्त्य आयुर्वेद के रचयिता पालकप्य मुनि, बौद्ध धर्म विषयक थेरगाथा के लेखकों में एक बुद्ध के समकालीन सोणकोलविश, प्रमुख जैन ग्रंथ लंकावतार सूत्र के प्रणेता विराज जीन, दशवैकालिक सूत्र के लेखक जैन धर्म के पांचवें धर्मगुरु स्वंभव आदि के नाम आते हैं। विद्वत जनों के इस आभा-मंडल में अंगक्षेत्र स्थित कहलगांव के दो ऐसे विद्वानों के नाम भी शामिल हैं जिनके विचारों और दर्शन से भारत ही नहीं पूरी दुनिया प्रभावित हुई। इनमें से एक हैं विक्रमशिला बौद्ध महाविहार के महान् आचार्य दीपांकर श्रीज्ञान अतिश जो बौद्ध धर्म के अंतिम प्रमुख आचार्य माने जाते हैं। और दूसरे हैं अद्वैत वेदांत के प्रकांड पंडित महर्षि अष्टावक्र। यह भी विडंबना रही कि विक्रमशिला के देश के प्रमुख बौद्ध महाविहारों में शुमार होने के कारण इसके प्रमुख आचार्य दीपांकर के व्यक्तित्व व कृतित्व से लोग भलीभांति परिचित हैं, किंतु अष्टावक्र ऋषि के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं थी जबकि उनके पिता कहोल (कहोड़) ऋषि से सभी परिचित थे जिनकी तपोभूमि पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर स्थित कहलगांव थी। कहोल ऋषि पर ही इस नगरी का नाम कहलगांव पड़ा है। किंतु पिछले साल कहलगांव में राघव परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीराम कथा के दौरान अष्टावक्र के जीवन दर्शन के मर्मज्ञ व अष्टावक्र शीर्षक महाकाव्य के रचयिता पद्मविभूषण जगतगुरु श्रीराम भद्राचार्य के प्रवचनों के माध्यम से राम कथा के साथ अंगभूमि के पुत्र अष्टावक्र के उज्जवल व्यक्तित्व व कृतित्व के बारे में जाना तो कहलगांव के सुधी निवासी उद्वेलित हो उठे और अष्टावक्र के नाम पर भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया। जगतगुरू श्रीराम भद्राचार्य की प्रेरणा से राघव परिवार के नेतृत्व में कहलगांव में एक वर्ष की अल्प अवधि में ऋषि अष्टावक्र का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। श्रृष्टि अष्टावक्र अयोध्या नरेश राजा दशरथ और विदेह (मिथिला) के राजा जनक के समकालीन थे। ऋषि अष्टावक्र के बारे में बाल्मिकी रचित रामायण के युद्ध काण्ड और महाभारत के वन पर्व सहित भवभूति द्वारा रचित उत्तर रामचरित सरीखे ग्रंथों में चर्चा की गई है। कहते हैं कि वे दुनिया के ऐसे पहले विद्वान हैं जिन्होंने सत्य और ज्ञान की व्याख्या शास्त्रों में वर्णित सिद्धांतों -नियमों से परे वास्तविकता के धरातल पर की। ऋषि अष्टावक्र के विचार और दर्शन सुप्रसिद्ध अष्टावक्र गीता में संग्रहित हैं। ऋषि अष्टावक्र के नामकरण के बारे में ऐसी कथा है कि जब वे अपनी माता सुजाता के गर्भ में थे तो अपने पिता कहोल ऋषि द्वारा किये जानेवाले वेद के पाठ की त्रुटियों की ओर इशारा कर दिया। इसपर स्वभाव से अति क्रोधी ऋषि कहोल ने उन्हें यह श्राप दे दिया कि वे आठ अंगों से वक्र अर्थात टेढ़े-मेढ़े पैदा लेंगे। इस कारण उनका नाम अष्टावक्र पड़ गया। अपने शरीर की दिव्यांगता और इसके कारण लोगों द्वारा उनके उपहास उड़ाये जाने के बावजूद सामर्थ्यवान तथा दृढ़ संकल्पित अष्टावक्र कभी डिगे नहीं व सदैव ज्ञान अर्जन की दिशा में तत्पर रहे। अपनी उद्भट विद्वता का परिचय उन्होंने अपने बाल्यकाल में ही दे दिया था। अष्टावक्र के पिता कहोल ऋषि स्वयं एक पहुंचे हुए विद्वान थे। किंतु मिथिला के राजा जनक के दरबार में आयोजित ज्ञान-सभा में आचार्य बंदिन नामक विद्वान से शास्त्रार्थ में पराजित हो जाने के कारण उन्हें शर्त के अनुसार जल-समाधि लेकर प्राण गंवाने पड़े थे। अपने पिता ऋषि कहोल की इस तरह से मार्मिक मृत्यु का समाचार सुन बालक अष्टावक्र मर्माहत हो उठे, किंतु उन्होंने अपने धैर्य को नहीं त्यागा और अहंकारी बंदिन से प्रतिशोध लेने की ठानी। कठिन परिश्रम कर उन्होंने सम्यक ज्ञान अर्जित किया और मिथिला पहुंच गये। हालांकि शरीर में आठ वक्र होने से अलग शरीराकृति के कारण राजा जनक की ज्ञान सभा में शरीक होने हेतु उन्हें दरबारियों के अवरोधों का सामना करना पड़ा। किंतु अपने आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए अंततः राजा जनक की ज्ञान सभा में पहुंच कर उन्होंने आचार्य बंदिन को शास्त्रार्थ हेतु चुनौती दी। लंबे शास्त्रार्थ के उपरांत अष्टावक्र ने अंततः बंदिन को पराजित कर दिया। श्रृषि अष्टावक्र एक उद्भट विद्वान होने के साथ एक सद्गुणी व्यक्ति भी थे। अपने पिता ऋषि कहोल की मृत्यु से आहत होने के बावजूद वे प्रतिशोध की भावना से ग्रसित नहीं हुए।

भारत निर्वाचन आयोग की तीन नई पहल

मतदाता सूचना पर्चियों को और अधिक मतदाता अनुकूल बनाया जाएगा

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची की सटीकता में सुधार और नागरिकों के लिए मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नई पहल की है। ये उपाय इस वर्ष मार्च में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्तों डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान परिकल्पित पहलों के अनुरूप हैं। आयोग अब मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 9 और जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (वर्ष 2023 में संशोधित) की धारा 3(5)(बी) के अनुरूप भारत के महापंजीयक से इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु पंजीकरण डेटा प्राप्त करेगा। इससे निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मृत्यु के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इससे बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को फॉर्म 7 के अंतर्गत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से सूचना का पुनः सत्यापन करने में सहायता मिलेगी। मतदाता सूचना पर्चियों (वीआईएस) को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाने के लिए आयोग ने इसके डिजाइन में भी परिवर्तन करने का निर्यय किया है। मतदाता का सूची क्रमांक और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी, साथ ही फॉन्ट का आकार भी बढ़ाया जाएगा, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना और मतदान अधिकारियों के लिए मतदाता सूची में उनके नाम को सुगमतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा। आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी बीएलओ, जिन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13बी (2) के अंगर्गत ईआरओ द्वारा नियुक्त किया जाता है, को मानक फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियान के दौरान नागरिक बीएलओ को पहचान सकें और उनके साथ आत्मविश्वास से बातचीत कर सकें। चुनाव संबंधी कर्तव्यों के निष्पादन में मतदाताओं और भारत निर्वाचन आयोग के बीच पहले इंटरफेस के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि घर-घर जाकर दौरा करते समय बीएलओ जनता के लिए आसानी से पहचाने जा सकें।

सूरदास जयन्ती- 2 मई, 2025

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

लेखक- ललित गर्ग

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान् चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई। सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे। सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है। मान्यता के अनुसार एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि ह्यआप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता।ह्ल वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है। कुछ लोगों के अनुसार सम्राट अकबर सूरदास से मिलने आए थे। कहते हैं कि तानसेन ने अकबर के समक्ष सूरदास का एक पद गाया। पद के भाव से मुग्ध होकर सम्राट अकबर मथुरा जाकर सूरदास से मिले। सूरदास ने बादशाह को ह्यमना रे माधव सौं करु प्रीती गाकर सुनाया। बादशाह ने प्रसन्न होकर सूरदास को अपना यश वर्णन करने का आग्रह किया। तब निर्लिप्त सूरदास ने नाहिन रहनो मन में ठौर पद गाया। पद के अंतिम चरण सूर ऐसे दरस को ए मरत लोचन व्यास को लेकर बादशाह ने पूछा सूरदासजी आप नेत्र ज्योति से वंचित हैं, फिर आपके नेत्र दरस को कैसे प्यासे मरते हैं सूरदासजी ने कहा, ये नेत्र भगवान को देखते हैं और उस स्वरूप का रसपान प्रतिक्षण करने पर भी अतृप्त बने रहते हैं। अकबर ने सूरदास से द्रव्य-भेंट स्वीकार करने का अनुरोध किया पर निडरतापूर्वक भेंट अस्वीकार करते हुए सूरदासजी ने कहा आज पीछे हमको कबहूं फेरि मत बुलाइयो और मोको कबहूं लिलियो मती। सूरदासजी संगीत-शास्त्र के परम ज्ञाता, काव्य नेपुण्य एवं गान-विद्या विशारद विषय में प्रतिभा सम्पन्न थे। सूरदास आशु कवि थे। उन्होंने काव्य लिखा नहीं बल्कि उनके मुखारविन्द से स्वतः श्रीकृष्ण की लीला गान करते हुए पद झड़ने लगे थे और वे पद रूप सामृत-बिन्दू की तरह एकत्र होकर सागर ही नहीं काव्य रस का महासागर बन गए, जिसे सूरसागर के नाम से जाना जाता है। महाकवि सूरदासजी का जीवन वृत स्वल्प अंश में ही ज्ञात है। उनके लिए महत्व अपनी अस्मिता का नहीं, आराध्य का था। इसलिए उनके जीवन संबंधी साक्ष्य नहीं के बराबर मिलते हैं। कुल मिलाकर संसार से विराग और ईश्वर से राग यही सूरदास की आरंभिक दौर की भक्ति का मूल आधार रहा है, जिसे उन्होंने बड़ी तल्लीनता के साथ व्यक्त किया है। सूरदास ने स्वयं को अपने ईश्वर का तुच्छ सेवक मानते हुए उनके समक्ष दैन्य प्रकट किया है। इस कारण सूरदास की भक्ति दास्य भाव की भक्ति कहलाती है, जिसमें भक्त स्वयं को अपने ईश्वर का दास मानकर उनकी सेवा और भक्ति करता है। एक प्रसंग प्रचलित है कि सूरदास जब गाऊघाट पर रहते थे तो उन्हें वहां एक दिन वल्लभाचार्य के आने का पता चला। सूरदास उचित समय पर वल्लभाचार्य से मिलने गए और उनके आदेश पर अपने रचित दो पद उन्हें गाकर भी सुनाए-ह्यहौं हरि सब पतितन कौ नायक एवं प्रभु! हौं सब पतितन कौ टीकौ। वल्लभाचार्य ने सूरदास के इन दीनतापूर्ण पदों को सुना और उन्होंने सूरदास से कहा कि- जो सूर ह्वै कै ऐसो घिघियात काहे को है कुछ भगवत लीला वर्णन करौ। इस पर सूरदास ने वल्लभाचार्य से कहा कि-ह्यप्रभु! मुझे तो भगवान की लीलाओं का किंचित भी ज्ञान नहीं। ऐसा सुनकर वल्लभाचार्य ने सूरदास को अपने संप्रदाय में स्वीकारते हुए पुष्टिमार्ग में दीक्षित करने का निश्चय किया।

आदि शंकराचार्य जयन्तीः आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

लेखक - ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदेशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धमार्चार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया। आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा ह्यमाँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।ह्ल इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए। आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है। आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य ह्यअहं ब्रह्मस्मिह्ल है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य ह्यअयमात्मा ब्रह्मह्ल है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य ह्यतत्वमसिह्ल है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य ह्यप्रज्ञान ब्रह्मह्ल है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है। जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यआदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रमह्ल में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया। दिव्य ज्ञान से आलोकित उनका संदेश देशवासियों के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने उन्हें प्राचीन परंपरा का भाष्यकार आचार्य बताते हुए लिखा है कि देश के अन्य भाष्यकारों की तरह अपने अध्ययन में उन्होंने कभी भी किसी प्रकार की मौलिकता का दावा नहीं किया। भारत में आदि शंकराचार्य के प्रयास से एक ऐसे आंदोलन का आविर्भाव हुआ जो सनातन वैदिक धर्म को उसकी अस्पष्टताओं और असंगतियों से निकालकर स्पष्ट तथा सर्वसाधारण के लिए स्वीकार्य बनाना चाहता था। उनकी शिक्षा का आधार उपनिषद थे। उनके द्वारा स्थापित मठों की उपासना पद्धतियां सरल है। वेदांत के विरोधियों से शास्त्रार्थ करने के उनके उत्साह के कारण देश के विभिन्न दार्शनिक केंद्रों में जो जड़ता आई थी उनमें एक नए विचार-विमर्श की प्रेरणा आरंभ हुई। शंकर द्वारा स्वीकृत दर्शन तथा संगठन बौद्धों के दर्शन और संगठन से मिलते-जुलते थे। आदि शंकराचार्य ने भारत में बढ़ते विभिन्न मतों पर उन्हीं की पद्धति से अपनी वैचारिक श्रेष्ठता सिद्ध की और सनातन वैदिक धर्म की पुनरुत्थान किया।

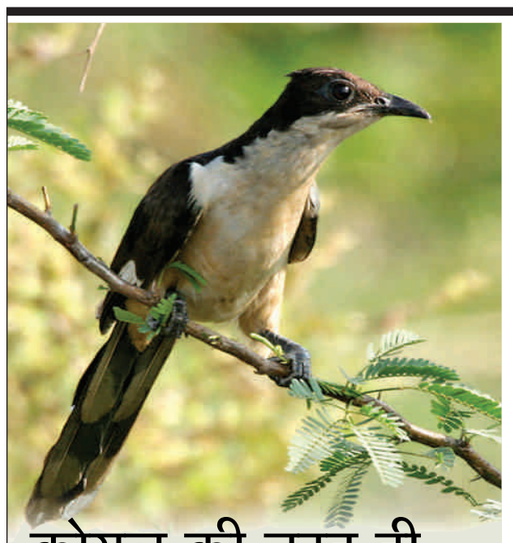

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

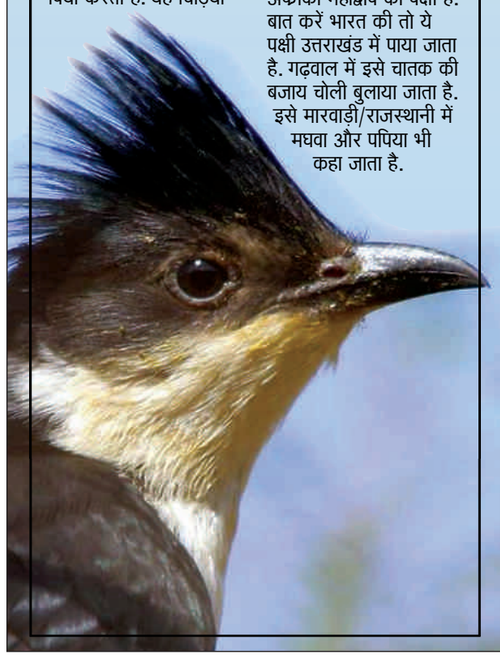

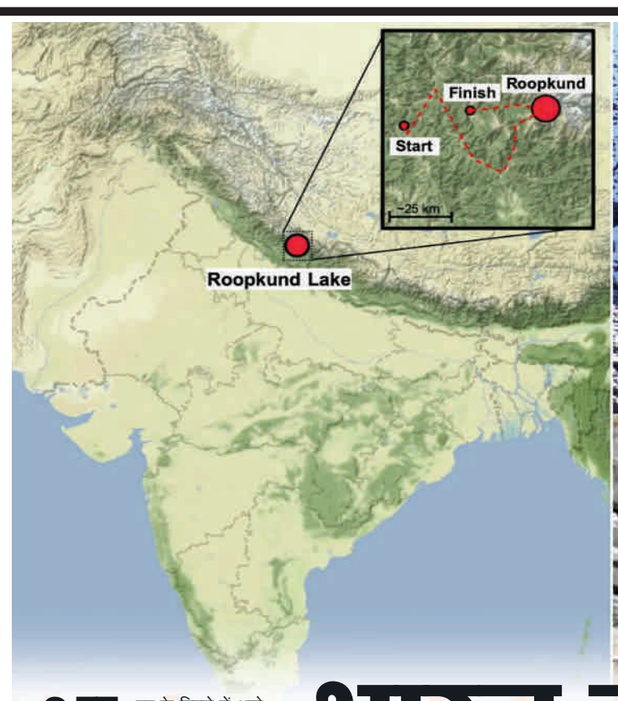

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में **गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं** क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली

रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तक़रीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है.

साल के ज्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी खारिज हो गई जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आखिर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

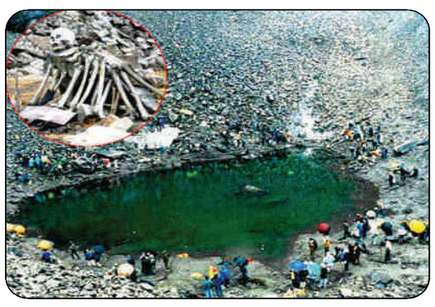

जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गई थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी। वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफ़न हैं। झील में प्रवेश करने पर सख़्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़िर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख़्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफ़र तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाक़े में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

प्रह्लाद जोशी 20 मई को करेंगे 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का उद्घाटन

नई दिल्ली

भारत की खाद्य सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी 20 मई को 'डिपो दर्पण' पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य देशभर के 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए खाद्यान्नों की गुणवत्ता पूर्ण भंडारण सुनिश्चित करना है। 'डिपो दर्पण' पोर्टल और ऐप के माध्यम से देश के 2278 गोदामों का डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा, जिनमें एफसीआई, सीडब्ल्यूसी और राज्य एजेंसियों के गोदाम शामिल हैं। यह प्रणाली डिपो प्रबंधकों को अपने डिपो की अवस्थिति, संरचना, संचालन और वित्तीय प्रदर्शन का लगभग वास्तविक समय में मूल्यांकन करने की सुविधा देती है। जियो-टैग की गई सूचनाओं के आधार पर स्वचालित रेटिंग और सुधारात्मक सुझाव भी तैयार किए जाते हैं।

स्मार्ट वेयरहाउसिंग तकनीकों के साथ एकीकृत यह प्रणाली सेंसर आधारित निगरानी तंत्र से लैस है, जिसमें सीसीटीवी, आईओटी सेंसर, सीओ2 और फॉस्फीन स्तर, तापमान, नमी, आग और अनधिकृत प्रवेश की निगरानी की जाती है। इसके अलावा एआई आधारित बैग काउंटिंग, वाहन पहचान (एएनपीआर) और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम भी पायलट आधार पर तैनात किए गए हैं।

गोदामों को अवसंरचना और परिचालन दक्षता के दो श्रेणियों में स्टार रेटिंग दी जाएगी, जिससे निरंतर सुधार की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। पर्यवेक्षी अधिकारी ऐप के माध्यम से कहीं से भी गोदामों की निगरानी कर सकेंगे, जिससे निर्णय प्रक्रिया तेज और प्रभावी होगी। 'डिपो दर्पण' पहल भारत की खाद्य सुरक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, दक्षता और उत्तरदायित्व की नई मिसाल पेश करेगी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने बालाकोट की सैफुल मलूक झील को पर्यटकों के लिए खोला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बालाकोट की काघन घाटी में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सैफुल मलूक झील को छह महीने बंद रहने के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। राजकुमार सैफुल मलूक और परी बदीउल जमाल की रोमांटिक किंवदंती से जुड़ी यह झील प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। खबर के अनुसार, पिछले साल नवंबर में भारी बर्फबारी के कारण झील की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई थी। अब इसे साफ कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। अब पर्यटक एक बार फिर झील के आसपास बर्फ से ढके नजारों का आनंद ले सकेंगे। बालाकोट पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मनसेहरा जिले में स्थित है। बालाकोट इस्लामाबाद से लगभग 190 किलोमीटर, जम्मू-कश्मीर के उरी से 81 किलोमीटर और नियंत्रण रेखा से 50 किलोमीटर दूर है। पर्यटन सलाहकार जाहिद खानजेब और काघन विकास प्राधिकरण के महानिदेशक शब्बीर खान कहना है कि भारी मशीनरी की मदद से सड़क को साफ कर झील तक जाने का मार्ग बहाल कर दिया गया है। मुल्क के बाकी हिस्सों में गर्मी का प्रकोप है, मगर यहां का मौसम सुहावना है। झील के खुलने से सैकड़ों स्थानीय जीप चालकों के लिए आजीविका के अवसर मिलने की भी उम्मीद है।

मानव स्वास्थ्य पर मंडरा रहा माइक्रोप्लास्टिक का खतराः अध्ययन से हुए चौंकाने वाले खुलासे

मैक्सिको सिटी। न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक ताजा अध्ययन में मानव अंडकोष में 12 प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने की पुष्टि की है। यह खोज मानव प्रजनन क्षमता और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे का संकेत देती है। शोध में यह भी पाया गया कि मनुष्य के अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा कुत्तों के अंडकोष में पाई गई मात्रा से लगभग तीन गुना अधिक है। शोध से प्राप्त मुख्य निष्कर्ष में मानव अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक की औसत मात्रा 329.44 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम ऊतक पाई गई है। कुत्तों के अंडकोष में यह मात्रा 122.63 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम रही। सबसे आम माइक्रोप्लास्टिक पॉलीथीन था, जो प्लास्टिक बैग और बोतलों में उपयोग होता है। उसके बाद पीवीसी पाया गया। माइक्रोप्लास्टिक शरीर में कैसे प्रवेश करता है निगलने के माध्यम से: दूषित भोजन (जैसे समुद्री भोजन, नमक, फल-सब्जियाँ) और पानी (खासकर बोतलबंद) से। सांस के जरिये: हवा में मौजूद प्लास्टिक कण, जो सिंथेटिक कपड़ों, टायरों और रोजमर्रा के उत्पादों से उत्पन्न होते हैं। घरेलू वातावरण: बंद घरों में वेंटिलेशन की कमी और प्लास्टिक उत्पादों का अधिक उपयोग। स्वास्थ्य पर प्रभाव इसके स्वास्थ्य में विपरीत प्रभाव की बात करें तो यह शरीर के विभिन्न अंगों में जमा हो जाता है इससे सूजन और कोशिका क्षति की आशंका बनी रहती है। हार्मोनल असंतुलन पैदा कर देता है। ऐसा बिस्फेनॉल ए (बीपीए) और फेथलेट्स जैसे रसायनों के कारण होता है। प्रजनन समस्याएं: अंडकोष में माइक्रोप्लास्टिक मिलने से प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक असर देखने को मिला है।

सुजाता चतुर्वेदी ने यूपीएससी के सदस्य के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय की पूर्व सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आयोग के वरिष्ठ सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज शुक्ला ने उन्हें शपथ दिलाई। सुजाता चतुर्वेदी ने नागपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में स्नातक और इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने लोक प्रशासन में एमफिल और रूसी भाषा में डिप्लोमा भी किया है। वह बिहार कैडर की 1989 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। उन्हें इस कैडर के साथ-साथ भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक का प्रशासनिक अनुभव है। राज्य में उन्होंने वित्त विभाग की प्रधान सचिव, वाणिज्यिक कर आयुक्त, वित्त विभाग की सचिव, शहरी विकास विभाग की उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। केंद्र में वह युवा मामले और खेल सचिव, डीओपीटी में अतिरिक्त सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में क्षेत्रीय उप महानिदेशक के पद भी संभाल चुकी हैं।

नक्सल अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या तक सीमित नहीं, समस्या का अंत करना है : सुंदरराज पी

बीजापुर

तेलंगाना की सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान के आज दसवें दिन बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने अभियान पर खुलासा करते हुए कहा कि अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या या बरामद किए गए, हथियारों की गणना तक सीमित नहीं है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य प्रतिबंधित नक्सली संगठन के कब्जे से क्षेत्र को मुक्त कराना और स्थानीय ग्रामीणों के लिए उस भूमि को पुन: सुरक्षित बनाना भी है। मिशन संकल्प का उद्देश्य बस्तर और देश के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में दशकों से चली आ रही वामपंथी उग्रवाद की समस्या का अंत करना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से, किसी भी अभियान की विस्तृत जानकारी उसके पूर्ण होने तक साझा नहीं की जा सकती है ।

बस्तर आईजीने कहा कि नक्सलियों ने पवित्र बस्तर की भूमि में पहाड़ियों, नदियों और घाटियों के किनारे आईईडी लगाकर स्थानीय आदिवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी ही भूमि में प्रवेश न करें। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नक्सलियों को ऐसा नापाक कार्य करने और निर्दोष नागरिकों, जानवरों तथा अन्य जीवों के जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार आखिर किसने दिया ? सुशीला सोढ़ी जैसी निर्दोष आदिवासी महिला की शहादत (जो 30 मार्च 2025 को जिला बीजापुर के उसूर क्षेत्र में मवेशी चराते समय नक्सली आईईडी विस्फोट में मारी गई) और अनेक बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और जवानों का बलिदान, जो नक्सली हिंसा के शिकार हुए, हमारे संकल्प को और अधिक दृढ़ बनाती है।

उल्लेखनीय है कि नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाने वाला करेंगुट्टा का पहाड़ नक्सलियों का अभेद किला माना जाता था। यहीं से नक्सलियों के शीर्ष नेता बस्तर पहुंचकर सारी गतिविधियां चलाते रहे। नक्सलियों की पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी, डीकेएसजेडसीएम, तेलंगाना

स्टेट कमेटी के शीर्ष नेताओं की गोपनीय बैठक भी इसी पहाड़ पर होती रही है। करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विगत दस दिनों में हुए गतिविधियों में 22 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तेलंगाना की सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान पर जवान रवाना हुए थे। इसके दूसरे दिन से नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़ होती रही, गोलीबारी की आवाज गांव तक सुनाई देती रही । इस दौरान जवानों ने 8-8 लाख के इनामी 3 महिला नक्सलियों को ढेर कर दिया गया था। करेंगुट्टा मठभेड़ में अब तक 11 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है, जिसमें से 3 के ही शव बरामद हुए। ऑपरेशन के पांचवें दिन मौके से लौटते वक्त आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर एक जवान जख्मी हो गया था । वहीं जवानों ने नक्सलियों द्वारा लगाई गई सैकड़ों आईईडी बरामद की गई । इसके बाद नक्सलियों की गुफा तक सुरक्षाबल पहुंचे। इसी दौरान नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने शांति वार्ता की अपील की। इसके साथ ही तेलंगाना की शांति वार्ता समिति ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ बैठक कर नक्सलियों से शांति वार्ता के लिए केंद्र पर भी दबाव डालने कहा है। तेलंगाना के बीआरएस पार्टी के नेता के. चंद्रशेशर ने भी नक्सलियों की युद्धविराम एवं शांति वार्ता को खुला समथर्न देते हुए केंद्र को पत्र लिखने का ऐलान किया। दूसरी तरफ तेलंगाना के पूर्व मंत्री जनारेड्डी के नेतृत्व में नक्सलियों से शांतिवार्ता की समिति का गठन करने की तैयारी की जा रही है। इधर राज्य सरकार ने नक्सलियों की तरफ से आया शांतिवार्ता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने का आखिरी मौका दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि नक्सलियों ने समर्पण नहीं किया तो अगला चरण नक्सलियों को ढेर करने का होगा।

भारत के एक और दुश्मन ने कहा- युद्ध हुआ तो पाकिस्तान का साथ देंगे

ओटावा

भारत का नमक खाकर, भारत की मिट्टी में पला बढ़ा गुरपतवंत सिंह पन्नू अपनी जन्म भूमि के साथ गद्दारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पन्नू का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इंडियन पंजाब पाकिस्तान का साथ देगा। इससे पहले भी अलगाववादी ने पाकिस्तान के समर्थक की बात कही थी। साथ ही दावा किया था कि भारतीय सेना को हमला करने के लिए पंजाब पार नहीं करने दिया जाएगा।

इससे पहले एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं पाकिस्तान की आवाम को भरोसा दिलाता हूं कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे। क्योंकि पाकिस्तान का नाम ही पाक है। पन्नू ने कहा, यहां पाकिस्तान को समझने की जरूरत है, सिख समझ चुके हैं। पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा पन्नू ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, तो यह भारत और मोदी का का आखिरी युद्ध होगा। पंजाब भारतीय कब्जे से आजाद हो जाएगा। उसने ऐलान किया, भारतीय पंजाब पाकिस्तानी सेना के लिए लंगर लगाएगा। हम भारतीय सेना को रोकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पन्नू ने यह भी कहा है कि भारतीय पंजाब के कैंट इलाकों में दीवारों पर चॉक से संदेश लिखा जाना शुरू हो गया है।

राहत बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले की जगह पर राहत व बचाव के काम में लगा एक कर्मचारी।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड की होगी लैंडिंग

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से गंगा एक्सप्रेस—वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड जैसे लड़ाकू विमानों की लैंडिंग होगी। शाहजहांपुर में जलालाबाद इलाके में पीरु ग्राम के निकट गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनी हवाई पट्टी पर दो और तीन मई को वायु सेना के लड़ाकू विमानों को उतारा जायेगा। वहीं कुछ मिनटों के भीतर लड़ाकू विमान उड़ान भरते हुए भी दिखायी देंगे।

शाहजहांपुर जिले के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने गुरूवार को पत्रकारों को बताया कि शाहजहांपुर के लिए गौरव से भरपूर क्षण होगा, जब दो मई और तीन मई को गंगा एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमानों की आवाजाही को अपनी आंखों से जिले के नागरिक देखेंगे। दिन रात लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और उड़ान भरने पर इसे देखकर गर्व का अनुभव होगा। इसे कार्यक्रम का स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री जेपीएस राठौर अतिथि की भूमिका में रहेंगे, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी उपस्थिति रह सकती है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए एक हजार स्कूली छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। स्कूली बच्चे लड़ाकू विमानों को हवाई पट्टी

पर उतरते और उड़ते देख सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टि से वायु सेना के अधिकारियों के निर्देश पर पांच किलोमीटर के परिक्षेत्र में बैरिकेडिंग करायी गयी है। इस परिक्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के आने जाने की मनाही रहेगी। ज्ञातव्य हो कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने बार्डर पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसी दौरान उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेस—वे पर लड़ाकू विमानों की लैडिंग को भी सैन्य अभ्यास से जोड़ कर ही देखा जा रहा है। शुक्रवार और शनिवार को दो दिनों तक शाहजहांपुर में सैन्य अभ्यास के दौरान राफेल, सु 30 एमकेआई, मिराज टू थाउजेन्ड, मिग 29, जगुआर, सी 130 जे सुपर हरक्यूलिस, एएन 32, एमआई-17 वी फाइव हेलिकॉप्टर हैडिंग करते हुए देखा जायेगा।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा। डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है।

भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है।

इस्लामाबाद में डार ने आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत की राजनीतिक रूप से प्रेरित और भड़काऊ कार्रवाइयां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद से पीड़ित देश होने के नाते, पाकिस्तान निर्दोष नागरिकों पर हमले की पीड़ा को बेहतर समझता है। साथ ही पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इस घटना की सख्त आलोचना करने का अनुरोध किया है।

डार ने भारत पर पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने के मनगढंत और आधारहीन प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सुरक्षा विफलताओं और कश्मीर में जारी दमनकारी नीतियों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान हटाने के लिए ऐसे आरोप लगाता है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 80,000 से अधिक नागरिकों और सैनिकों की जान और 150 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान झेल चुका है। विदेश मंत्री ने दोहराया कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन अगर भारत ने कोई आक्रामक कदम उठाया, तो पाकिस्तान मुंहतोड़ और निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत की कार्रवाइयों के क्षेत्रीय प्रभावों को गंभीरता से लेने की अपील की। इसके अलावा, डार ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से निलंबित करने की भी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इस संधि को किसी भी पक्ष द्वारा अकेले खत्म नहीं किया जा सकता। डार ने इस हमले की निष्पक्ष जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की मांग दोहराई, जैसा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रस्तावित किया है।

ब्रीफ न्यूज़

पीएमश्री शास.स्वामी विवेकानन्द हाई स्कूल में समर कैम्प का शुभारंभ

सीहोर। पीएम श्री शास. स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल मंडी सीहोर में समर कैम्प का शुभारम्भ किया गया। समर कैम्प में ईश्वर सिंह सिनोरिया शिक्षक द्वारा स्पोकेन इंग्लिस, भाग्यश्री ठाकुर मैडम के द्वारा नृत्य का प्रशिक्षण, प्रियंका शर्मा मैडम के द्वारा पेन्टिंग, कुमारी दीक्षा अहिरवार के द्वारा ड्राइंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें छात्र-छात्राये उत्साह पूर्वक भाग ले रहे है। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य डॉ. हेमलता शकौर धर्मपाल सिंह गौतम, सरोज कुमार मालाकार, शर्मिला जैन, गुंजन शर्मा, ज्योति राठौर, सवनम वी. शशिकला पाण्डेय श्री कश्यप जी एवं संस्था की समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा। एक मई को हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूरों को कानूनी अधिकारों से अवगत कराने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विशेष शिविर का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नीतेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि एक मई को विदिशा जिला मुख्यालय पर संचालित अडानी विलमार फेक्ट्री में मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में श्रम विभाग एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त समन्वय से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया था। न्यायाधीश श्री तोमर ने मजदूरों के हक में कानूनन प्रावधानों की जानकारियां दी और कहा कि यदि किसी मजदूर को समय पर कानूनी सुविधाएं प्राप्ति के लिए वकील की जरूरत पड़ती है।

राष्ट्र की प्रगति में श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान, उनकी प्रगति में सहयोगी बनें: कुलपति

दीनबन्धु, सागर।
dinbandhunews.com

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई 2025 के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा जवाहरलाल नेहरू केंद्रीय पुस्तकालय के रंगनाथन भवन में एक विशेष व्याख्यान एवं श्रमिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वीरेंद्र सिंह मटसेनिया ने प्रस्तुत की. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. केशव टेकाम ने दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि श्रमिक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. उन्होंने कहा कि श्रमिक कड़ी धूप में काम कर हमको छाँव प्रदान करते हैं. हम सबके लिए अथक परिश्रम करते हैं. झोपड़ी से लेकर मल्टीप्लेक्स तक के निर्माण में योगदान कर राष्ट्र की प्रगति को एक आकार और आधार प्रदान करते हैं. उन्होंने अर्थशास्त्र विभाग की इस पहल की भी प्रशंसा करते हुए विभाग में श्रमिक की समस्याओं पर शोध कार्य की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि श्रम का सीधा संबंध अर्थशास्त्र से है, इसलिए श्रमिकों को अर्थशास्त्र एवं अर्थव्यवस्था में उचित स्थान मिलना ही

चाहिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में श्रमिकों का महत्त्वपूर्ण योगदान है. हमें उनकी प्रगति में सहयोगी बनना चाहिए. देश और दुनिया में जितना भी आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है उसमें मजदूरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किसी भी श्रेष्ठ राष्ट्र के सौन्दर्य की नींव में मजदूरों का श्रम ही है. मजदूरों के कल्याण हेतु हम सबको संयुक्त रूप से प्रयास करना होगा तभी हम उनके योगदान की सार्थकता को प्रमाणित करने में सफल हो सकेंगे. मजदूर का श्रम ही राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता का आधार है. कार्यक्रम में श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने प्रमाण पत्र प्रदान किया. उन्होंने विश्वविद्यालय में कार्यरत श्रमिकों को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया. कार्यक्रम की मुख्य वक्ता जिला श्रम अधिकारी सुश्री सृष्टि तिवारी ने श्रमिकों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि भारत को आजाद हुए 75 वर्ष से अधिक हो चुके हैं लेकिन श्रमिकों की बेहतरीन के लिए जो अधिनियम बने हुए हैं उनका ठीक से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है. जिससे श्रमिकों की स्थितियों में जितना सुधार होना चाहिए था उतना नहीं हो पा रहा है. श्रमिक दिवस के अवसर पर हम सब की जिम्मेदारी है कि हम श्रमिकों को जागरूक बनाएं?, जिससे वे बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें. हम सब भी उनकी समस्याओं को हल करने हेतु आगे आयें. कार्यक्रम को मानविकी एवं समाज विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने भी संबोधित करते हुए कहा कि निर्माण और पुनर्निर्माण में केवल बौद्धिक ही नहीं बल्कि शारीरिक श्रम की भी जरूरत होती है. आज का दिन उनके प्रति सद्भावना व्यक्त करने और उन्हें सम्मान प्रदान करने का दिन है. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया द्वारा दिया गया. कार्यक्रम में प्रो. उत्सव आनंद, इंजी राहुल गिरी गोस्वामी, प्रो. राजेश गौतम, डॉ. टी.ए. मोहन, मुकेश कुमार साहू, डॉ. आरबीएम रेड्डी, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. वीणा थावरे, डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा, समर दीक्षित, इंजी. एस.ए. कुरैशी, डॉ. एकता श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश सिंह सहित विभाग के सभी शोधार्थी एवं विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी की. निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस वर्ष श्रमिक दिवस की थीम स्वास्थ्य जागरूकता है. इसलिए श्रमिकों का स्वास्थ्य सही रहना आवश्यक है. इस दिशा में पहल करते विश्वविद्यालय अपने परिसर में विभिन्न निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा. कुलपति ने निमार्णाधीन स्थल पहुँच मिष्ठान्न वितरित कर श्रमिकों को दी शुभकामनाएं अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में निमार्णाधीन विस्तारित संग्रहालय भवन के निर्माण में संलग्न मजदूरों से मुलाकात कर मिष्ठान एवं अन्य खाद्य एवं शीतल पेय पदार्थ भेंट कर उनके कार्यों की प्रशंसा की. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे, विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस जबलपुर में

देश के कोने कोने से पहुंचेंगे हृदय रोग विशेषज्ञ, करेंगे विचार मंथन

दीनबन्धु, जबलपुर
dinbandhunews.com

मप्र - कार्डिओलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस जबलपुर में ३ व ४ मई 2025 को आई टी सी होटल वेलकम में आयोजित की जा रही है। कांफ्रेंस का आयोजन अकादमी ऑफ कार्डियक साइंसेज जबलपुर के द्वारा किया जा रहा है। आयोजक ऐसीएस जबलपुर के अध्यक्ष डॉ सुहेल सिद्दीकी और सचिव डॉ दिलीप तिवारी ने बताया की इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे अनुसन्धान और नई तकनीकों पर विचार विमर्श और शैक्षणिक विकास है जिससे की मध्य प्रदेश के हृदय रोग के मरीजों को लाभ होगा। इस कांफ्रेंस में देश और विदेश के दिग्गज हृदय रोग

विशेषज्ञ शामिल हो रहे है, जिनमें की अमेरिका के प्रतिष्ठित माउंट सिनाई हार्ट सेंटर न्यूयॉर्क से डॉ समीन शर्मा, मुंबई से डॉ आनंद राव और डॉ ब्रजेश कुमार कुंवर, दिल्ली से डॉ प्रवीण चंद्रा, डॉ अतुल माथुर, डॉ ऐस राधाकृष्णन, डॉ आर आर मंत्री, डॉ निशीथ चंद्रा और डॉ रजनीश कपूर , हैदराबाद से डॉ शरथ रेड्डी, चेन्नई से डॉ सिवा कुमार, बंगलुरु से डॉ डी एस चड्ढा, लखनऊ से डॉ ऋषि सेठी, नागपुर से डॉ जसपाल अरनेजा, डॉ प्रशांत जगताप, इंदौर से डॉ सरिता राव, एवं भोपाल, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर जैसे अन्य कई शहरों से वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ सम्मिलित हैं। इस आयोजन में हृदय रोगो से बचाव से लेकर हृदय की जटिल बीमारियों का इलाज, बिना सर्जरी वाल्व प्रत्यारोपण, बच्चो के हृदय की समस्या, अनियमित धड़कनो का अबलेशन से इलाज, लीडलेस पेसमेकर प्रत्यारोपण, हृदय की नली की दूरबीन से जांच, चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। पैनल डिस्कशन के माध्यम से हृदय रोगो के चुनौती पूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। शोधकर्ता व छात्रों के द्वारा पोस्टर व शोध पेपर भी प्रस्तुत किए जाएँगे। इस कांफ्रेंस के पूर्व १ मई को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से जानकारी साझा की गई जिसमें की जबलपुर शहर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ उमेश अग्रवाल, डॉ अंकित अग्रवाल , डॉ पुष्पराज पटेल, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ एच पी ऐस चंदेल, डॉ नवीन शर्मा, डॉ के एल उमामहेश्वर, डॉ अनिमेष गुप्ता, डॉ विकास मिश्रा, डॉ अमित किनारे, डॉ आशीष तिवारी, डॉ शिशिर सोनी, डॉ अभिषेक गायकवाड़, डॉ एहतेशाम अंसारी, डॉ भाविक धीरावाणी और डॉ हर्षा रेड्डी उपस्थित रहे।

सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से चोरी गया मोबाइल फोन बरामद

दीनबन्धु, जबलपुर।
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और उनकी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर लगातार नवाचारों को अपनाया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में दूरसंचार विभाग के सहयोग से पूरे देश में सीईआईआर पोर्टल को लागू किया है। यह पोर्टल चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन को आईएमईआई नंबर के माध्यम से ब्लॉक, ट्रैक व रिकवर करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य मोबाइल चोरी रोकने के साथ-साथ ऐसे उपकरणों की अवैध बिक्री को नियंत्रित करना भी है। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भोपाल मंडल की साइबर सेल ने पहली बार दूरसंचार विभाग के 'सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर)' पोर्टल के माध्यम से चोरी हुआ मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ़ निकाला और यात्री को लौटाकर एक सराहनीय पहल की है। घटना का संक्षिप्त विवरण :- दिनांक 25 अप्रैल 2025 को शिकायतकर्ता श्री मुरु द्वारा इटारसी स्टेशन पर यात्रा के दौरान उनका मोबाइल चोरी होने की जानकारी रेल मददद पोर्टल पर दी। यात्री ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई, बावजूद इसके आरपीएफ साइबर सेल द्वारा शिकायत का निपटान किया गया।साइबर सेल, भोपाल ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए मोबाइल को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ब्लॉक किया, ताकी वह उपयोग में नहीं लाया जा सके। दिनांक 26 अप्रैल को मोबाइल को भोपाल क्षेत्र में ट्रेस किया गया, और जांच में पता चला कि यह श्री प्रवीन नामक व्यक्ति के पास है। संबंधित व्यक्ति को संपर्क कर मोबाइल निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर जमा कराने के लिए कहा गया, और उन्होंने 30 अप्रैल को आरपीएफ पोस्ट - रानी कमलापति में मोबाइल जमा कर दिया। यह पहला मौका है जब भोपाल मंडल में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से एक यात्री की खोई हुई संपत्ति को इतनी दक्षता और पारदर्शिता के साथ बरामद कर लौटाया गया है। इस पहल से यात्रियों के बीच भरोसा और रेलवे की छवि दोनों मजबूत होती है। इस प्रयास के माध्यम से रेल यात्री अब रेल मदद, 139 हेल्पलाइन या आरपीएफ से सीधे संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बिना एफआईआर के भी, सीईआईआर के जरिए मोबाइल की रिकवरी की जा सकती है। पश्चिम मध्य रेल की यह सफलता यह दशार्ती है कि अब डिजिटल ट्रैकिंग और तकनीकी दक्षता से लैस रेलवे प्रशासन यात्रियों को न केवल बेहतर सेवा दे रहा है, बल्कि उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए भी सजग और सक्रिय है।

सारंगपुर में वक्फ कानून के खिलाफ बिजली बंद विरोध

मुस्लिमजनों ने 15 मिनट घरों और दुकानों की लाइटें बंद कर दर्ज कराया विरोध

दीनबन्धु, सारंगपुर
dinbandhunews.com

सारंगपुर मुस्लिम इलाकों पर बंद रही बिजली। सारंगपुर एवं अंचल में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान एवं अंजुमन इस्लाम कमेटी के तत्वाधान में बुधवार रात वक्फ संशोधन एक्ट के विरोध में मुस्लिम समाज ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। मुस्लिम बस्तियों में बुधवार रात 9 से 9:15 बजे तक मुस्लिम समाजजनों ने अपने-अपने घरों, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की लाइटें स्वेच्छा से बंद रखी गईं। इस विरोध प्रदर्शन की अपील अंजुमन कमेटी सदर एम ए अलीम बाबा कुरैशी और उलेमाओं ने की थी। इस मौके पर सदर श्रीकुरैशी ने कहा कि वक्फ कानून अन्यायपूर्ण, अलोकतांत्रिक और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ है। यह मुस्लिम समुदाय

के अधिकारों और धार्मिक संपत्तियों में सरकार की दखलअंदाजी को बढावा देगा। यह सिर्फ एक समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का मुद्दा है। सरकार जब तक कानून को वापस नहीं लेती, शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा। विरोध का असर सारंगपुर शहर के किला गेट, पठान वाडी, पिंजरा बखर, मंडाई चौक, हाट मोहल्ला, डंडियावाड़ी, मस्जिद चौक, अंसारी मोहल्ला, संकरकुईयां, बड़ी खेल, अमन खेल, आदर्श कालोनी सहित अन्य क्षेत्रों में मुस्लिम समाज के लोगों ने इस सांकेतिक विरोध में भाग लिया। समाजजनों ने अपने-अपने घरों और दुकानों की लाइटें बुझाकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। अंजुमन सदर अलीम कुरैशी, उलेमा हिंद के हाफिज साजिद मेव , मोलाना अनीस समेत कई प्रमुख लोगों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बडी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने बोर्ड के आह्वान का समर्थन किया। इस विरोध का असर भ्याना, लीमाचौहान, पाडल्यामाता, उदनखेड़ी, मऊ आदि ग्रामीण क्षेत्र में भी मुस्लिम बस्तियों में नजर आया, जहां मुस्लिमों ने रात 9 से 9:15 बजे तक अपने-अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों की बिजली बंद रखी।

ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में आज मनेगा एकात्म पर्व, 500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार

दीनबन्धु, खंडवा।
dinbandhunews.com

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दो मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सोमवार 28 अप्रैल से दो मई तक पंच दिवसीय एकात्म पर्व मनाया जाना है। इस पर्व को आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव के दौरान ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में मनाया जायेगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग मप्र शासन के द्वारा आचार्य शंकर की गुरु एवं संन्यास भूमि पर इस पर्व का शुभारंभ सोमवार सुबह सात बजे महर्षि सांदीपनि वेद विद्यापीठ एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल के आचार्यों के द्वारा वैदिक अनुष्ठान से किया गया। भव्य शोभायात्रा नर्मदा स्थित अभय घाट से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुनः अभय घाट पर संपन्न होगी। वहीं इस पर्व के दौरान ओंकारेश्वर में अनेकों प्रकार के आयोजनों भी किये जायेंगे। जिनमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों का गायन, वैदिक अनुष्ठान, शोभायात्रा, अद्वैत शारदा पुस्तकालय, अद्वैत लोक प्रदर्शनी और वेदांत-विज्ञान विषयक परिचचाएँ प्रमुख रहेंगी।

सीएम के साथ ही कई सन्यासी और संत लेंगे भागः वहीं इस आयोजन में अनेक संत-संन्यासियों की उपस्थिति भी रहने वाली है, जिनमें जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, इस्कॉन के गौरांग दास प्रभु, अखण्ड परम धाम के स्वामी परमानंद गिरि, स्वामी विदितात्मानंद सरस्वती, स्वामी मिथलेश नंदनी शरण, स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी, और मां पूर्णप्रज्ञा सम्मिलित होंगे। इनके साथ ही विभिन्न सत्रों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संस्कृति विभाग के राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, चिंतक मुकुल कानिटकर, लेखक नीलेश नीलकंठ ओक, प्रो. गौरी माहुलिकर, प्रो. पंकज जोशी, प्रो. रामनाथ झा, कैप्टन प्रवीण चतुवेर्दी, मृत्युंजय गुहा मजूमदार और विशाल चौरसिया जैसे प्रमुख वक्ता भी इस आयोजन में भाग लेंगे। वहीं आगामी 1 मई को इस आयोजन में विशेष सत्र रील तो रियलः अवेकनिंग वननेस थ्रू स्टोरीटेलिंगह्व का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें गौरांग दास प्रभु, कैप्टन प्रवीण चतुवेर्दी और विशाल चौरसिया संवाद करेंगे।

500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कारः वहीं इस आयोजन को लेकर समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि, पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 2 मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। पर्व के समापन दिवस पर प्रातः काल में विद्वानों का अलंकरण किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा नर्मदा घाट पर 10,000 दीपों का प्रज्ज्वलन और नर्मदा आरती का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा एकात्म धाम प्रकल्प के अंतर्गत 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति का निर्माण किया जा चुका है तथा अद्वैत लोक संग्रहालय एवं अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध 13लोगो पर की गई एफआईआर

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

जिले में अब तक 13 व्यक्तियों के विरुद्ध नरवाई जलाने पर एफआईआर की कार्रवाई की गई है। साथ ही 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक तहसील बनखेड़ी, होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया एवं सिवनी मालवा के विभिन्न ग्रामों में नरवाई जलाने के 10 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम जिले में नरवाई जलाना प्रतिबंधित किया गया है एवं किसानों को समय-समय पर किसान कार्यशाला एवं किसान खेत पाठशाला आयोजित कर नरवाई ना जलाने के लिए प्रेरित एवं जागरूक भी किया जाता रहा है, इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा नरवाई जलाने की घटना की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल 2025 से 27 अप्रैल 2025

तक नरवाई जलाने के 10 प्रकरण सामने आए है। बनखेड़ी के ग्राम देवरी में नरवाई जलाने का एक प्रकरण सामने आया है। इसी क्रम में होशंगाबाद के होरिया पिपर में एक, इटारसी के छिपी खापा में एक, छितापुरा में दो, काला आखर में दो, टांगना में एक प्रकरण सामने आया है। पिपरिया के खैरी कला में एक, सिवनी मालवा के बलाक में एक प्रकरण सामने आया है। नरवाई जलाने के 10 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिला प्रशासन ने नरवाई जलाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषी व्यक्ति श्री संतोष यादव, गोपाल साहू पिता जयराम , मनोज चौरे पिता देवकीनंदन चौरे, राधे श्याम पिता डालू, गंभीर पिता राधे श्याम, शिव नारायण पिता राधे श्याम, मिश्रीलाल पिता जमुना, चतर सिंह पिता नानक राम, अन्ना पिता ज्ञान सिंह, जंडेल कौरव पिता हरिराम कौरव, काशीराम कौरव पिता भगवान दास कौरव, आशीष कौरव पिता जंडेल कौरव एवं अजय रघुवंशी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है।

पश्चिम मध्य रेल

ई निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, भोपाल भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए कार्य करते हुए निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित करते है। इस टेन्डर के तहत मैनुअल प्रस्ताव मान्य नहीं होंगे एवं ऐसे प्राप्त कोई भी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा से संबंधित दस्तावेज वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिये गये हैं।

(1) निविदा सूचना एवं क्रमांक: बीपीएलएनवर्क्स 2025-26 सिग्नल 04 **कार्य का नाम:** BPL-DIV: रिपलेसमेंट ऑफ इंटेगरटेड पॉवर सप्लाई सिस्टम एट 24 लोकेशन व एनहंसींग दी रेलियाबिलिटी ऑफ एक्सिसटिंग सिग्नलिंग गेयर्स बाइ प्रोविसन ऑफ एडिसनल केबल फॉर TWS स्वीचेस इन BPL-BINA सेक्शन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹4,85,86,270.22/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** लागू नहीं **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹3,92,900/- **कार्य समापन की अवधि:** 18 माह **निविदा जमा करने एवं खोलने की दिनांक एवं समय:** दिनांक 26.05.2025, को 15:00 बजे तक। दिनांक 26.05.2025 को 15.30 बजे। **मिनिमम एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया:** MEC Applicable. निविदाकर्ता/ बिडर्स के पास क्लास III डीजीटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना आवश्यक है एवं IREPS पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/ बिडर्स ही ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं। ई-टेंडरिंग के दौरान ही सभी संबंधित दस्तावेज अपलोड करना आवश्यक है। पेमेन्ट गेटवे के द्वारा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। निविदा दस्तावेज की कीमत, बयाना राशि आदि का भुगतान ऑनलाइन मल्टीपल नेटबैंकिंग, डेबिट एवं केडिट कार्ड द्वारा किया जा सकता हैं।

मण्डल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार), प.म.रे.,भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई को मंदसौर में होगा किसान मेले का आयोजन

कृषि उद्योग समागम: प्रदेश में कृषि नवाचार और उद्यमिता का अभिनव संगम: सीएम

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये 3 मई 2025 को मंदसौर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कृषक सम्मेलन एवं कृषि उद्योग समागम-2025 का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, जन-प्रतिनिधि, कृषक, उद्यमी, निर्यातक एवं एफपीओ प्रतिनिधि बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आयोजन में खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने के लिये इच्छुक निवेशकों के साथ संवाद भी करेंगे, जिससे नये निवेशक मंदसौर जिले में निवेश के लिये आकर्षित होंगे और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मंदसौर जिला औषधीय और मसाला खेती में अग्रणी है। मेले के आयोजन से मंदसौर जिले में औषधीय फसलों को और अधिक बढ़ावा मिल सकेगा।

उन्नत कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए 3 मई को मंदसौर जिले के सीतामऊ में किसान मेला एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन किया जायेगा। किसान मेले में किसानों को उन्नत तकनीकों, बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों, शासन की योजनाओं एवं कृषि प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

कार्यक्रम में आधुनिक कृषि यंत्रों, नवीनतम बीजों, संरक्षित खेती, प्राकृतिक कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य प्र-संस्करण एवं जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही कृषि आधारित उद्योगों, एफपीओ, निर्यातकों हेतु संगोष्ठी एवं नेटवर्किंग सत्र आयोजित होंगे।

कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो में किसानों से जुड़े विविध तरह के राज्य स्तरीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल्स के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी, खेती-किसानी की जानकारी और नवाचारों के संबंध में बताया जाएगा। कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, एम.पी. एग्रो, एमएसएमई, मत्स्य, पशुपालन, नवकरणीय ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग द्वारा कृषि यंत्र, ड्रोन एवं उपकरण, कृषि आदान व्यवस्था नवीन प्रजातियों के बीज उर्वरक, पेस्टीसाइड आदि, बैंकर्स एवं फसल बीमा, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, संरक्षित खेती, वर्मी बेड, मल्चिंग, पौंड प्लास्टिक लाइन (पोली/शेडनेट हाउस आदि), खाद्य प्र-संस्करण, ओडीओपी, रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस), केज कल्चर, बायोफलॉक एवं मत्स्य महासंघ का डिस्पले, चलित पशु चिकित्सा इकाई, आदर्श गौशाला, सार्टेड सेक्सड सीमन, एंब्रियो ट्रांसफर तकनीक, सांची मिल्क पार्लर एवं मिल्क क्वालिटी टेस्टिंग, एग्री फोटो वॉल्टाइक एग्री स्टेक के स्टॉल लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समागम में आये अतिथि निवेशकों के साथ संवाद करेंगे और राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे। यह समागम प्रदेश के किसानों के लिए नवाचार, तकनीकी उन्नयन और उद्यमिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

भोपाल। मजदूर दिवस पर भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी और ट्रांसपोर्ट हम्माल मजदूर सभा ने इतवारा में रैली निकाली।

नवनिर्मित न्यायालय भवन का लोकार्पण 4 मई को, उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का 4 मई को रीवा जिले का भ्रमण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री रीवा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रीवा के नवनिर्मित न्यायालय भवन का लोकार्पण कार्यक्रम भी 4 मई को प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन कोर्ट परिसर का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला श्रमिकों के लिए 21 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल में एक मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर घरों में काम करने वाली कामकाजी दीदियों एवं महिला श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया।

ये शिविर भोपाल की 21 तंग बस्ती क्षेत्रों क्रेशर बस्ती भौंरी, गोंडीपुरा, संजीवनी क्लिनिक बाणगंगा, संजीवनी क्लिनिक प्रियदर्शिनी नगर, अंबेडकर नगर , सुनहरी बाग, प्रेमपुरा, भीम नगर, धर्मपुरी, लतीफ नगर, गिरि मोहल्ला, पिपलानी मस्जिद के पास, जय हिंद नगर, बीडीए कॉलोनी अमरावत खुर्द, कृष्णा नगर बरखेड़ा पठानी, आजाद नगर अशोका गार्डन, शंकराचार्य नगर चांदबड़, हनुमान मंदिर ओल्ड सुभाष नगर, डीमार्ट के पास बरखेड़ी, चंपा चौराहा ओल्ड विधानसभा, आंगनवाड़ी केंद्र 966 न्यू कबाड़खाना में लगाए जा रहे हैं। कामकाजी महिलाओं की सुविधा को देखते हुए दोपहर 1.00 बजे से शिविर लगाए गए। इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ उनके बच्चों की जांच एवं टीकाकरण भी हुआ। शिविरों में महिला रोगों की जांच के साथ गर्भवती महिलाओं के लिए एन सी जांच, प्रथम तिमाही में पंजीयन, टीकाकरण, हाईरिस्क चिन्हांकन, पोषण परामर्श सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। कुपोषण की पहचान कर बच्चों के टीके भी इन शिविरों में लगाए जाएंगे। शिविर में वंचित तबके के हितग्राहियों को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से सीएमएचओ कार्यालय भोपाल द्वारा समुदाय के बीच में पहुंचकर सेवाएं दी जा रही है।

इसके पूर्व श्रमिक पीठों, तंग बस्तियों, गल्ला मंडियों, रैन बसेरों, गार्बेज स्टेशंस, वृद्धाश्रमों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया था। शिविरों में 50 हजार से ज्यादा नागरिकों को स्वास्थ्य की विभिन्न प्रदान की गई हैं। स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी भी इन शिविरों में बनाए गए हैं। शिविरों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक भी किया गया ताकि वे बीमारियों से बच सकें और लक्षणों की जल्द पहचान कर उपचार ले सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य समाज की उन्नति का आधार है।

बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई कार, 1 गंभीर, 4 युवकों की मौत

गुना। गुना में एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में शादी समारोह से लौट रहे चार युवकों की मौत हो गई। वहीं 3 युवक घायल हैं। इनमें से एक गंभीर घायल को भोपाल रेफर किया गया है। आशंका है कि कार को पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा बुधवार देर रात 2.30 बजे भदौरा के पास हुआ। शिवपुरी जिले के कोलारस में रिजौदा गांव से बारात गुना के मावन गांव में आई थी। शादी में शामिल होने के बाद कुछ युवक कार से रिजौदा जाने के लिए निकले थे।

हादसे में तीन युवक घायल, इनमें एक गंभीर

हादसे में रिजौदा गांव के रहने वाले गोविंद रघुवंशी (28) पुत्र दिनेश रघुवंशी, सोनू (35) पुत्र हरि भगवान रघुवंशी, वीरू (24) पुत्र बृजेश कुशवाह और हितेश (24) पुत्र ब्रजमोहन बैरागी की मौत हो गई। वहीं सुदीप (24) पुत्र सुरेन्द्र रघुवंशी, सुमित (24) पुत्र जसवंत रघुवंशी, रवि (22) पुत्र वीरेंद्र रघुवंशी घायल हैं। सुदीप को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है

राष्ट्र-गीत'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ

भोपाल । मई माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदे-मातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, अपर मुख्य सचिव, श्री संजय दुबे, सहित मंत्रालय, सतपु?ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएनजी वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में मिलेगी छूट

परिवहन विभाग ने दी अलग-अलग कैटेगरी के वाहनों के लिए 1 प्रतिशत की छूट

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

राज्य सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति के बाद अब सीएनजी वाहनों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। इसके तहत फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट युक्त सभी नए वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में छूट दी जाएगी। यह छूट अलग-अलग कैटेगरी के वाहनों के लिए अलग-अलग तय की गई है। परिवहन विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है।

परिवहन विभाग के जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे हाइब्रिड ईंधन स्रोत युक्त वाहन, जिनमें सीएनजी के साथ अन्य ईंधन भी शामिल है या जिनमें बाद में सीएनजी किट फिट कराई गई है (रेट्रो फिटमेंट), उन्हें इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। यह छूट केवल उन्हीं वाहनों को दी जाएगी जो फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ आते हैं और जिनका पंजीकरण सिटी

गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति 2025 के तहत एक वर्ष की अवधि में किया जाएगा। इन वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में 1 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के नये संशोधन 15 मई से ही प्रभावी

न्यूनतम 11 और अधिकतम 200 जोड़ों का हो सकेगा सामूहिक विवाह

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में किये गये संशोधन 15 मई 2025 से प्रभावी हो गये हैं। नये संशोधन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के लिये चार तिथियां बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया एवं तुलसी विवाह (देवउठनी ग्यारस), एक अन्य तिथि विभाग के अनुसार निर्धारित की जा सकती है। योजना के अन्तर्गत अब सामूहिक विवाह इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे, जिन्हें योजना के तहत लाभ प्रदान किया जायेगा।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग की दृष्टि से योजना की तिथियों का निर्धारण किया गया है। साथ ही सामूहिक विवाह समारोह में जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 तथा अधिकतम 200 निर्धारित की गई है। योजना का लाभ प्राप्त करने की अन्य शर्तें पूर्ववत ही रखी गयी हैं। योजना के तहत 49 हजार रूपये सीधे वधु के खाते में ट्रांसफर किये जाते हैं तथा 6 हजार रूपये की राशि आयोजनकर्ताओं को व्यवस्थाओं के लिये दिया जाता है।

जनजातीय क्षेत्रों में घर घर तक पहुँची 66 मोबाईल मेडिकल यूनिट : शाह

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

जनजाति कार्य मंत्री डा. विजय शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत पीएम जनमन योजना में प्रदेश के कमजोर जनजातीय समूहों के सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ ही जनजाति वर्ग के हितग्राहयों के स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए जनजातीय क्षेत्रों में ऐसी बसाहट वाले क्षेत्र जहाँ 5 कि. मी.के दायरे में कोई भी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध नहीं है, में मोबाईल स्वास्थ्य वैन यूनिट के माध्यम से जन-जन तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाई जा रही हैं।

जनजाति कार्य विभाग केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों में जनजाति वर्ग के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार की ओर से नोडल विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। डा0 विजय शाह ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास यह है कि केन्द्र सरकार द्वारा पोषित इस योजना का लाभ प्रदेश के जनजाति वर्ग के अंतिम पंक्ति के अंतिम हितग्राही को मिल सके।प्रदेश की जनता को डबल इंजिन सरकार का भरपूर लाभ मिल सके।

प्रदेश के 21 पीवीटीजी जिलों के 87 ब्लाकों में शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र की अनुलब्धता वाले 1645 चिन्हित क्षेत्र में 66 मोबाईल मेडिकल यूनिट इस समय संचालित हैं। इसमे सर्वाधिक शिवपुरी जिले में 245 चिन्हित क्षेत्रों में10 मोबाईल मेडिकल यूनिट संचालित है। दूसरे नंबर पर 172 अनुलब्धता के साथ विदिशा में 5 मोबाईल मेडिकल यूनिट संचालित है।न्यूनतम अनुलब्धता वाले क्षेत्र में 01 स्थान के साथ भिण्ड एवं 02 स्थानों के साथ मैहर दूसरे स्थान पर है।इन दोनों स्थानों में से भिण्ड में 00 और मैहर में 01 एमएम यूनिट संचालित है।

जनजाति कार्य मंत्री डा0 विजय शाह ने बताया कि विगत 3 वर्षों में इस योजना पर 5031.18 लाख की राशि का उपयोग किया जा चुका है। कुल 87 ब्लाकों में 77 हजार 413 पीवीटीसी हितग्राहियों के साथ दो लाख से अधिक मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

इन्टरनेट एवं एआई से सच की तह तक जाएं : विजय मनोहर तिवारी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के 'न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग' में डिजिटल मीडिया एंड एआई विषय पर इंडस्ट्री इंटरेक्शन सेशन का आयोजन किया गया । स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता के रुप में बिलाल भट, समूह संपादक, ईटीवी भारत एवं जे. श्रीनिवास, सीईओ, ईटीवी भारत समूह विशेष रुप से उपस्थित थे। सत्र का संयोजन विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. डॉ. पी. शशिकला द्वारा किया गया। सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने क्लास रूम एवं न्यूज रूम को जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि डिग्री सिर्फ मीडिया संस्थान में अंदर जाने के लिए गेट पास है। उन्होंने उत्तर एवं दक्षिण भारत में होने वाले प्रेस कांफ्रेंस में अंतर बताया। श्री तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों का उद्देश्य सिर्फ नौकरी पाना नहीं होना चाहिए । बल्कि तकनीक के माध्यम जैसे कि इन्टरनेट एवं एआई का उपयोग करके सच की तह तक जाकर पत्रकारिता करना चाहिए ।उद्योग संवाद सत्र में श्री बिलाल भट ने कहा कि मीडिया में तकनीक का उपयोग बढ़ गया है । उन्होंने जंक जर्नलिज्म एवं एआई का मीडिया में किस तरह से उपयोग हो रहा है इसके बारे में जानकारी । मुख्य वक्ता जे. श्रीनिवास ने बताया कि प्रिंट, रेडियो एवं टीवी के माध्यम से एक तरफा संचार होता है, सिर्फ बनाने वाला निर्णय लेता है की क्या, कब, कैसे दिखाना है । मिस इनफार्मेशन एवं डिस इनफार्मेशन के बारे में भी उन्होंने बताया। श्री श्रीनिवास ने कंटेंट, क्वालिटी चेक इश्यू, सोशल मीडिया अकाउंट,स्वतंत्रता जवाबदेही, पुश मॉडल, पुल मॉडल (पॉडकास्ट, ओ टी टी) के बारे में भी विस्तार से प्रकाश डाला ।

श्री हरि विष्णु याग से पूर्व निकली भव्य कलश यात्रा

भोपाल।स्वामी शरणानंद आश्रम, 1 अशोक नगर, पूलबोगदा, रायसेन रोड भोपाल पर 1 मई 2025 से दिनांक 6 मई 2025 तक 'श्री हरि विष्णु याग ' के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । उपरोक्त कार्यक्रम के आरंभ के अवसर पर आज संध्या 6-00 बजे आश्रम के शिष्यों, बच्चों एवं महिलाओं के साथ कलश यात्रा निकाली गई । कलश यात्रा उपरांत आश्रम के सेवादार एवं नर्मदापुरम के समाजसेवी श्री रवि रैकवार अध्यक्ष गो सेवा समिति हिंदू एवं भोपाल के समाजसेवी श्री अरविंद शाक्य व डॉ. पंकज रघुवंशी का आश्रम द्वारा सम्मान किया गया। इसके उपरांत पूजन एवं प्रसाद भंडारा वितरण कार्यक्रम हुआ । दिनांक 2 एवं 3 मई को अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। दिनांक 4, 5 एवं 6 मई 2025 को 'श्री हरि विष्णु याग' कार्यक्रम होगा। यज्ञ का समापन दिनांक 6 मई 2025 को दोपहर 12-00 बजे हवन पूजन आरती एवं प्रसाद भंडारा वितरण के साथ सनातन होगा।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578